Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 01 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

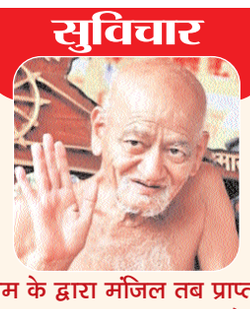

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संत कबीर का संदेश आज भी समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शकः कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के इकलौते हिंदू मंदिर में की पूजा

विक्टोरिया। खूबसूरत समंदर, सफेद रेत और शानदार रिजॉर्ट्स के लिए मशहूर सेशेल्स इन दिनों सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने आध्यात्मिक महत्व के कारण भी चर्चा में है। भारतीय पर्यटकों और स्थानीय हिंदू समुदाय के लिए अरुल मिहू नवशक्ति विनायगर मंदिर प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है। भारत से हजारों मील दूर हिंद महासागर के इस द्वीप पर सनातन संस्कृति की जड़ें कितनी मजबूत हैं, इसका सबसे बड़ा प्रमाण है वहां का 'अरुल मिहू नवशक्ति विनायगर मंदिर'। यह सिर्फ एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि भारत और सेशेल्स के अटूट सांस्कृतिक रिश्तों का जीवंत प्रतीक है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इस मंदिर का दौरा कर भगवान गणेश की आराधना की थी, जिसने वैश्विक स्तर पर इस मंदिर की ख्याति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान मिली।

रायपुर प्रेस क्लब का आम महोत्सव, कृषि मंत्री रामविचार नेताम बोले– आम हर किसी का खास है

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा सोमवार को आयोजित आम महोत्सव उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया। इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रामावतार तिवारी, क्लब के पदाधिकारी, वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान आत्मीयता, सौहार्द और संवाद का माहौल देखने को मिला।

मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि आम हर किसी का खास है। यह केवल फलों का राजा नहीं, बल्कि हर वर्ग के लोगों की पसंद और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आम किसानों की मेहनत और प्रकृति की अनमोल देन का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बागवानी फसलों की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा रविवार रात रायपुर पहुंचे। वे आज कांग्रेस जिला अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए। रायपुर पहुंचने पर खेड़ा ने RSS पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन और इतिहास में संघ का कोई योगदान नहीं रहा है। साथ ही, उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि भगवान राम के नाम पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया के इस दौर में उन्होंने इस प्रशिक्षण शिविर को जरूरी बताया और कहा कि इससे कार्यकर्ताओं को सीखने और संवाद करने का अच्छा मौका मिला है। शिविर खत्म होने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रशिक्षण और मंथन का असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने नए जिला अध्यक्षों को संगठन, जनसंपर्क और राजनीतिक मुद्दों पर पूरी तरह प्रशिक्षित किया है।

सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों को दिलाई शपथ

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को राज्यसभा के सात नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में मानसिंह मेरामन परमार, तरुण चुघ, डॉ. अलका सिंह, जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, राजेंद्र हीरालाल जैन, एम. नागराजा और अधिकारीमायुम शारदा देवी शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान चार सदस्यों ने हिंदी, एक ने कन्नड़, एक ने पंजाबी और एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ ली। इनमें दो सदस्य गुजरात से हैं, जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर और राजस्थान से एक-एक सदस्य राज्यसभा पहुंचे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश और प्रफुल्ल पटेल मौजूद रहे। इस अवसर पर राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी और राज्यसभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में उपस्थित रहे।

नकटी गांव में तोड़े गए 80 घर, नया रायपुर में मिलेंगे मकान

रायपुर (विश्व परिवार)। माना इलाके के नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए आज (सोमवार) सुबह 80 घर तोड़ दिए गए। जिसमें पीएम और इंदिरा आवास के 32 घर भी शामिल हैं।

प्रशासन ने रविवार देर रात से ही यहां 1000 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात कर दिए थे। सुबह जैसे ही टीम जेसीबी लेकर पहुंची, तो लोग मशीनों के सामने खड़े हो गए, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच भारी धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ। इस पूरी कार्रवाई के बीच एक बच्ची ने रोते हुए बताया कि उसने सुबह से कुछ नहीं खाया है, क्योंकि कार्रवाई के डर से घर पर खाना ही नहीं बन पाया था। वहीं इसके विरोध में ग्रामीण धरने पर बैठए गए थे, उनमें इसलिए भी आक्रोश है क्योंकि दो दिन पहले ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि बारिश के मौसम में किसी के मकान नहीं तोड़े जाएंगे। सांसद के इस आश्वासन के बावजूद इस तोड़फोड़ से ग्रामीणों में गुस्सा है।

टीएस सिंहदेव ने की कार्रवाई की निंदा- इस कार्रवाई को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने एक्स पर लिखा नकटी गांव में ठीक बरसात के मौसम के पहले इस असंवेदनशील कार्रवाई की मैं निंदा करता हूं। सरकार ने छत्तीसगढ़ के नागरिकों के हितों पर लगातार कुठाराघात कर शासन संभालने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

पश्चिम बंगाल में लागू होगा यूसीसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई राज्य में यूसीसी का मसौदा तैयार करने वाली समिति की अध्यक्ष होंगी। उन्होंने बताया कि बिल का प्रारंभिक ड्राफ्ट 2 जुलाई को राज्य कैबिनेट के समक्ष मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, समिति में एक सेवानिवृत्त IAS अधिकारी, कानूनी विशेषज्ञ, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता और एक अतिरिक्त सचिव को भी शामिल किया जाएगा। यह समिति विवाह, तलाक, संपत्ति में उत्तराधिकार, बच्चों की अभिभावकता, गोद लेने समेत कुल नौ प्रमुख विषयों पर विचार करेगी।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर संभाग

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रामगढ़ महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। आषाढ़ मास के प्रथम दिवस पर सरगुजा अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का शुभारंभ सोमवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। पारंपरिक गरिमा, सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक चेतना से ओतप्रोत इस आयोजन में लोक संस्कृति, साहित्य, पुरातत्व और पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिला। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, वहीं नई दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने रामगढ़ महोत्सव के 50 वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामगढ़ केवल सरगुजा ही नहीं, बल्कि पूरे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इतिहास एवं पुरातत्व विशेषज्ञ इन स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेंगे, जिससे नई पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकेगी।

उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ सरगुजा की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल का समय यहां व्यतीत किया था। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने भी यहीं मेघदूतम् की रचना की थी। सीताबेंगरा, जोगीमारा, राम-जानकी मंदिर तथा हाथीपोल जैसे ऐतिहासिक स्थल विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से रामगढ़ को विश्वस्तरीय पहचान दिलाई जाएगी। लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि रामगढ़ केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक एवं साहित्यिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने इस धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रचारित एवं संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जिला अस्पताल कवर्धा में तीन जटिल स्त्री रोग का सफल ऑपरेशन, महिलाओं को मिली नई जिंदगी

कवर्धा (विश्व परिवार)। जिला अस्पताल कवर्धा में गंभीर एनीमिया और जटिल स्त्री रोगों से पीड़ित तीन महिलाओं की सफल ऑपरेशन कर चिकित्सकों ने उन्हें नई जिंदगी दी। तीनों मरीज अत्यधिक मासिक धर्म के कारण गंभीर एनीमिया (रक्ताल्पता) से पीड़ित थीं। ऑपरेशन से पहले उनकी स्थिति को देखते हुए रक्त चढ़ाया गया, जिसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक शल्यक्रियाएं कीं।

पहला मामला 45 वर्षीय महिला का था, जो पिछले छह माह से अत्यधिक मासिक धर्म के कारण गंभीर एनीमिया से पीड़ित थी। अस्पताल में भर्ती करने के बाद मरीज को तीन यूनिट रक्त चढ़ाया गया। जांच में एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया की पुष्टि होने पर डॉ. निहारिका सिंह ने सफल ऑपरेशन की। दूसरा मामला 50 वर्षीय महिला का था, जो लंबे समय से अत्यधिक मासिक धर्म के कारण गंभीर रक्ताल्पता से ग्रसित थी। मरीज को भर्ती कर तीन यूनिट रक्त चढ़ाया गया। जांच के दौरान गर्भाशय में लगभग 20 सेंटीमीटर आकार और 1.2 किलोग्राम वजन की विशाल रसौली पाई गई। इस जटिल ऑपरेशन को डॉ. मंजूषा यादव ने सफलतापूर्वक संपन्न किया।

तीसरा मामला 50 वर्षीय महिला का था, जो पिछले एक वर्ष से अत्यधिक मासिक धर्म, पेट में बढ़ती गांठ और गंभीर एनीमिया से परेशान थी। भर्ती के बाद आवश्यक रक्त चढ़ाया गया। जांच में लियोमायोमा और एडेनोमायोसिस की पुष्टि होने पर डॉ. निहारिका सिंह ने सफलतापूर्वक हिस्टेरेक्टॉमी की। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार तीनों मरीजों की ऑपरेशन सफल रही हैं। वर्तमान में उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में भर्ती रखकर आवश्यक उपचार और देखभाल दी जा रही है तथा उनकी स्थिति स्थिर एवं संतोषजनक है। इन सफल ऑपरेशन में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम के साथ एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. मुकेश वालेचा तथा ऑपरेशन थिएटर स्टाफ की समन्वित और महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समय पर जांच से बच सकती हैं गंभीर जटिलताएं :- चिकित्सकों ने महिलाओं से अपील की है कि यदि मासिक धर्म सामान्य से अधिक हो, लंबे समय तक रक्तस्राव बना रहे, अत्यधिक कमजोरी, चक्कर आना, हीमोग्लोबिन की कमी या पेट में गांठ जैसी समस्या महसूस हो तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें। समय पर स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श और नियमित जांच कराने से एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया, गर्भाशय की रसौली लियोमायोमा और एडेनोमायोसिस जैसी बीमारियों का प्रारंभिक अवस्था में ही निदान और उपचार संभव है, जिससे गंभीर एनीमिया और अन्य जटिलताओं से बचा जा सकता है।

महापौर ने सघन पल्स पोलियो अभियान 2026 का किया शुभारंभ

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने सघन पल्स पोलियो अभियान 2026 का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, पार्षद श्री कमलेश बंधे, श्री मनोहर यादव वार्ड नं. 8, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नेतराम नवरतन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बी.एल.तुलावी, चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेष जोशी राज्य सलाहकार श्री साहिल मसीह, प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री विकास राठौर, डॉ स्नेहा जैन जिला सलाहकार आरएमएनसीएचए जिला शहरी कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री पूजा मेश्राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया गया कि ब्लाक के ग्रामों के अलावा शहरी क्षेत्रों में बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन में पोलियो बूथ बनाने के साथ ट्रांजिट टीमों के द्वारा खदानो, ईटा भट्टा, छात्रावास, मदरसा एवं छूटे क्षेत्रों में पोलियों की दवा पिलाने हेतु ट्रांजिट टीमों एवं मोबाइल टीमों का गठन किया गया था प्रथम दिवस बूथ में पोलियों की दवा पिलाने के पश्चात अगले 2 दिन 29 एवं 30 जून 2026 को सभी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियों की दवा पिलाई जाएगी। डॉ. नेतराम नवरतन द्वारा प्रथम दिवस की अभियान समाप्ति के पश्चात् संध्या कालीन विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, सेक्टर सुपरवाईजर, बीपीएम, बीईटीओ की अभियान के संबंध में आवश्यक चर्चा एवं समीक्षा की गई।

टैक्स जमा करने वाले करदाताओं का पौधा भेंट कर किया सम्मान

करदाता सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश, हरियाली बढ़ाने की अनूठी पहल, -निगम प्रशासन ने कहा- समय पर टैक्स जमा करें, एक पौधा लगाकर शहर को बनाएं हराभरा,

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग ने करदाताओं के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए एक अभिनव पहल की। आज निगम प्रशासन के टैक्स काउंटरों में संपत्तिकर एवं अन्य कर जमा करने पहुंचे जागरूक करदाताओं का पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। निगम की इस अनूठी पहल को करदाताओं ने सराहा और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक प्रयास बताया।

निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर में बड़ी संख्या में करदाता अपना टैक्स जमा करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक करदाता को पौधा भेंट कर उनके समय पर कर भुगतान करने के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की सराहना की। निगम का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए भी प्रेरित करना है, ताकि करदाता अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण कर शहर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बना सकें।निगम प्रशासन ने कहा कि नगर के विकास में करदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नागरिकों द्वारा समय पर कर जमा करने से सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता सहित विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को गति मिलती है। निगम प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे समय पर अपना कर जमा करें और वर्षा ऋतु का लाभ उठाते हुए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी नियमित देखभाल भी करें। पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा। नगर निगम आगे भी जनभागीदारी आधारित ऐसे नवाचार करता रहेगा।

कांग्रेस अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाए और इतिहास का अध्ययन करे : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस व कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलीराम हेडगेवार के विषय में अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए। श्री पाण्डेय ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि आजकल कांग्रेसियों का अध्ययन, पठन और पाठन पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। इतिहास की सही समझ न होने के कारण वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने स्वतंत्रता संग्राम में डॉ. हेडगेवार और संघ के योगदान का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए कांग्रेस को इतिहास का पाठ पढ़ाया और बताया कि डॉ. हेडगेवार ने 1921 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जिसके लिए उन्हें 11 महीने का कठोर कारावास भुगतना पड़ा था। उस समय के तत्कालीन जिला कलेक्टर इरविन ने डॉ. हेडगेवार के भाषणों को अत्यंत देशभक्तिपूर्ण और ब्रिटिश हुकूमत के लिए खतरनाक बताते हुए उन पर एक साल के लिए भाषण देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

जिले के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, निखारने की आवश्यकता : कलेक्टर

गौरेला (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कहा है कि जिले के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक बच्चे में विशेष क्षमता होती है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर और सही मार्गदर्शन प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने सहपाठियों से भी बहुत कुछ सीखते हैं, इसलिए विद्यालयों में सकारात्मक एवं समावेशी वातावरण का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। यह विचार उन्होंने यूनिसेफ रायपुर के शिक्षा विशेषज्ञ श्री रवि राज दयाल एवं जिला समन्वयक सुश्री सरस्वती यादव के साथ आयोजित बैठक में व्यक्त किए। बैठक में जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं यूनिसेफ के संयुक्त सहयोग से संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों, विद्यालय भ्रमण के अनुभवों तथा आधा फूल÷ कॉमिक्स पुस्तक पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से संचालित बालिका शिक्षा कार्यक्रम बच्चों में जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय साक्षरता, साइबर सुरक्षा तथा लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त लैंगिक रूढ़ियों को समाप्त करना समय की आवश्यकता है, ताकि लड़के और लड़कियों दोनों को समान अवसर प्राप्त हो सकें और वे अपनी रुचि एवं प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सकें। कलेक्टर ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जैसे विषयों पर खुलकर संवाद करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे विषयों को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

'सहयोग केंद्र' में वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में समस्याओं के त्वरित निवारण और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के लिए संचालित 'सहयोग केन्द्र' की नियमित कड़ी में सोमवार को प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन एवं कौशल विकास मंत्री केदार कश्यप उपस्थित रहे।

सहयोग केंद्र में प्रदेशभर से पहुंचे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री कश्यप के समक्ष अपनी मांगें, सुझाव और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ रखीं। श्री कश्यप ने इस दौरान करीब 42 प्रतिनिधिमण्डलों व 200 से अधिक संख्या में पहुँचे कार्यकर्ताओं की बातों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संगठन के सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। भाजपा सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 'सहयोग केंद्र' के माध्यम से हम सीधे आम जनमानस और अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं तक पहुँच रहे हैं, ताकि शासन-प्रशासन के स्तर पर किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती व सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानन्द उपासने मौजूद थे।

मुख्यमंत्री की सख्ती का असर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 जेसीबी मशीन तथा 3 ट्रैक्टर वाहनों को जप्त किया है। यह कार्रवाई राज्य सरकार की शून्य सहिष्णुता की नीति को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू किए जाने का प्रमाण है।

जिले के देवराजपारा-सधवानी तथा बंधी-बचरवार क्षेत्र में खनिज मुरूम एवं मिट्टी के अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल जांच कराई गई। वहीं सिलपहरी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध परिवहन की सूचना पर भी खनिज विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों को जप्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान देवराजपारा-सधवानी क्षेत्र से दो जेसीबी, बंधी-बचरवार क्षेत्र से एक जेसीबी तथा सिलपहरी क्षेत्र से रेत परिवहन में लगे तीन ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षित रूप से पुलिस लाइन अमरपुर में रखा गया है।उल्लेखनीय है कि सधवानी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1076 तथा कलेक्टर के समक्ष अवैध उत्खनन की शिकायत दर्ज कराई थी। मुख्यमंत्री की जनहितकारी शिकायत निवारण व्यवस्था के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खनिज विभाग को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन की सक्रियता और खनिज विभाग की तत्परता से

सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत बालिकाओं को किया सायकल का वितरण

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम का शुभारंभ किया तथा निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत बालिकाओं को सायकल का वितरण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बालिकाओं को मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने कक्षा 11वीं की पढ़ाई के लिए इसी सत्र से कॉमर्स विषय में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने स्कूल परिसर में प्रार्थना एवं सभा के लिए स्थायी डोम निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम के माध्यम से राजनांदगांव में शिक्षा के एक नये युग का सूत्रपात हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि इस बेहतरीन आयोजन का महत्व इसलिए बढ़ गया है कि बालिकाओं के लिए निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत जिले में 6100 सायकल का वितरण किया जाना है और आज यहां स्कूल में 120 बालिकाओं को सायकल का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक बालिकाएं स्कूल जाएं और उनकी पढ़ाई बाधित न हो। इसके लिए पहली से आठवीं तक के 82358 बच्चों को निःशुल्क गणवेश तथा पाठ्य पुस्तक का वितरण किया गया है। वहीं कक्षा 9वीं एवं 10वीं के 23275 विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण किया जा रहा है। यहां स्कूल में ऑडिटोरियम, स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम की सौगात मिली है और स्कूल में अच्छी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बेटियों ने छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ी महक नरवासे का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम चयनित होने एवं उपकप्तान के रूप में चयनित होने पर राजनांदगांव जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, यहां कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष बेटियां है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बेटियों को सम्मान के साथ अधिकार भी दिया है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय, राजनांदगांव का प्रतिष्ठित विद्यालय है। यहां के बच्चों का बोर्ड परीक्षाओं में 99 प्रतिशत परिणाम रहा है। सरकार बच्चों के पढ़ाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिले में मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां भारतीय लोकसेवा आयोग की परीक्षा में चयनित युवा आईएएस अधिकारियों ने अपने अनुभव बताए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मेहनत करें और मन लगाकर अध्ययन करें। पढ़ाई के लिए मोबाईल से दूरी बना लें तथा रील न बनाए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर, एसपी, शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर एवं विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देने के लिए मन लगाकर पढ़ाई करें। उन्होंने बताया कि 18 से 20 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव में नालंदा परिसर में लाईब्रेरी बन जाने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए किताबें खरीदने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि स्कूल कैम्पस में बाक्सिंग रिंग एवं तीरंदाजी के लिए सुविधा उपलब्ध करायी गई है। उन्होंने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने सभी को शाला प्रवेशोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 16 जून से 27 जून तक शाला प्रवेशोत्सव मनाने के लिए तय किया है। यह केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं बल्कि अभिभावकों के लिए भी महत्वपूर्ण है। विद्याधन के लिए शुभारंभ का महत्व है, इसके लिए सरकार ने अनेक तैयारियां की है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

सूरजपुर में बीट प्रणाली को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाने हुआ कार्यशाला का आयोजन

जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनने और उनके साथ पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित कीजय- एसएसपी सूरजपुर

बीट प्रभारियों के मोबाईल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डो में लगाने के निर्देश

बीट प्रभारियों की जिम्मेदारी हुई तय महिला सुरक्षा पर फोकस

सूरजपुर। जिले के थाना-चौकी के बीट प्रणाली को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शनिवार, 27 जून 2026 को कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य बुनियादी पुलिसिंग को सुदृढ़ करना और जनता के बीच सुरक्षा की भावना बढ़ाना था जिसमें जिलेभर के पुलिस अधिकारी व बीट प्रभारी मौजूद रहे। जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों के कुल 558 ग्रामों के लिए 70 बीट बनाई हैं। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस रेगुलेशन के पैरा के अनुसार कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे जमीनी और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बीट क्षेत्र के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी सूचना, सावधानी की जानकारी को प्रत्येक बीट के नागरिक को अवगत कराया जा सके इसके लिए बीट प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाई जाए, बीट क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम नागरिकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करें, जमीनी स्तर पर असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करते हुए सटीक जानकारी हासिल करते हुए फैरन एक्शन ले, क्षेत्र में होने वाले अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाए ताकि पुलिस-जनता के बीच आपसी विश्वास और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, बुजुर्गो की मदद और युवाओं को जागरूक करना भी बीट प्रणाली का हिस्सा है इसे मजबूती से की जाए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक रीना नीलम कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, जिले थाना-चौकी प्रभारी सहित सभी बीट प्रभारी मौजूद रहे।

बीट प्रभारियों के मोबाईल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डो में लगाने के निर्देश।- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारियों व बीट प्रभारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की सुविधा के लिए बीट अधिकारियों के नाम और मोबाइल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाए ताकि आमजनता अपनी समस्या, शिकायतों को फैरन पुलिस के संज्ञान में ला सके और उसका समाधान करा सके। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनना और उनके साथ पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित की जाए।

बीट प्रभारियों की जिम्मेदारी हुई तय- बीट क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधियों, अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा व जागरूकता के लिए नागरिकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी तय की गई है। बीट क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों, वारंटियों और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की सूची अपडेट रखें और उनकी दैनिक हरकतों पर कड़ी नजर रखें। बीट प्रभारी व अधिनस्थ कर्मी बीट में कब भ्रमण पर गए, क्या देखा, किससे मिला और क्या कार्यवाही की उसकी रिपोटिंग प्रत्येक दिवस थाना प्रभारी को करने होगी और उसका रिकार्ड संधारण बीट बुक में संधारित करना होगा जिसका प्रत्येक माह संबंधित एसडीओपी बीट बुक को चेक करेंगे।

महिला सुरक्षा पर फोकस- महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों के पास विशेष निगरानी रखने, ग्राम पंचायतों, आंगनबाड़ी, हाट-बाजारों तथा महिला समूह के आयोजनों के दौरान महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े पहुलओं, कानूनी जानकारियों से अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैप ट्रेलर यूनियन ने आपसी सहमति के बाद चक्का जाम किया, करंजी रेलवे साइडिंग हुआ चालू

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कोयला परिवहन में लगे स्थानीय ट्रीप टेलर यूनियन के पदाधिकारियों और ट्रांसपोर्टर प्रतिनिधियों के बीच आपसी सहमति बनने भाड़ा बढ़ाने के स्वीकार्यता पर हड़ताल 3 बजे अपराह्न समाप्त हो गया। डीजल मूल्यवृद्धि से अतिरिक्त आर्थिक व्यय के अंतर का भुगतान देने, भाड़ा वृद्धि का आश्वासन दिया गया। कोयला परिवहन पुन: यथावत चालू हो गया। ट्रीप टीपर आनर कल्याण संघ जिला सूरजपुर के अध्यक्ष रामनरेश यादव उपाध्यक्ष समीर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेमजीत सिंह ने संतोषजनक भाड़ा निर्धारण पर संतोष व्यक्त किया। धरना कार्यक्रम के समय पुलिस प्रशासन की सतर्कता उल्लेखनीय है। यूनियन के मांगों को सफ्ल बनाने में मोहर लाल मानिकपुरी केशव राजवाड़े, आदित्य चौधरी, सरफ्राज, चेतन देवांगन, धर्मेंद्र गुप्ता का सक्रिय सहयोग रहा।,

पहली बारिश ने फिर बढ़ाई जलनिकासी व्यवस्था की टेंशन

जगदलपुर। मानसून की पहली तेज बारिश ने शहर की जलनिकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी. करीब एक घंटे की बारिश में धरमपुरा मार्ग, बिनाका मॉल क्षेत्र सहित कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं. घुटनों तक पानी भरने से वाहन रेंगते नजर आए और कई जगह लंबा जाम लग गया. दोपहिया वाहन पानी में बंद हुए, जबकि पैदल राहगीरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा. निचले इलाकों गायत्री नगर और धरमपुरा के लोगों में घरों में पानी घुसने की आशंका बढ़ गई है. कई परिवारों ने एहतियात के तौर पर घरेलू सामान सुरक्षित स्थानों पर रखना शुरू कर दिया. हर वर्ष मानसून में बनने वाले ऐसे हालात स्थायी समाधान की जरूरत की ओर इशारा कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों की नियमित सफाई और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था अब भी चुनौती बनी हुई है. नगर निगम द्वारा किए गए सुधार कार्यों के बावजूद कई संवेदनशील क्षेत्रों में जलभराव कायम रहा. लोगों का मानना है कि बढ़ते शहरी विस्तार के अनुरूप नई जलनिकासी योजना तैयार करना जरूरी है. शहरवासियों ने वैज्ञानिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने और बड़े नालों के निर्माण की मांग उठाई है. अब निगाहें इस बात पर हैं कि मानसून के बाकी दिनों में व्यवस्था कितनी कारगर साबित होती है।

चित्रकोट का नाइट टूरिज्म ठप, 10 करोड़ की लागत से लगाई गई लेजर लाइट सालों बाद भी नहीं हो पाई शुरू

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नाइट टूरिज्म को नई पहचान देने का सपना अब सवालों के घेरे में है। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से लगाई गई लेजर लाइट वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सकी है। दो-तीन बार परीक्षण के बावजूद परियोजना आज तक नियमित संचालन में नहीं आ पाई। बताया जा रहा है कि इसे लगाने वाले ठेकेदार ने सिस्टम किसी विभाग को आधिकारिक रूप से हैंडओवर ही नहीं किया। नतीजा यह है कि रखरखाव के अभाव में कई लाइटें और उपकरण गायब हो चुके हैं। लेजर शो में उपयोग होने वाली बैटरियां भी अब वहां मौजूद नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि परियोजना का कभी औपचारिक उद्घाटन तक नहीं हुआ। आज पर्यटकों के स्वागत में खड़े पोल तो दिखाई देते हैं, लेकिन उन पर रोशनी नहीं जलती। पर्यटकों का कहना है कि यदि यह लेजर शो शुरू हो जाए तो चित्रकोट की खूबसूरती रात में भी देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित कर सकती है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि करोड़ों की यह परियोजना यूं ही बंद रहना सरकारी संसाधनों की बर्बादी है। वहीं चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने मामले पर नाराजगी जताते हुए संबंधित विभाग से जानकारी लेकर स्थिति स्पष्ट कराने की बात कही है। अब बड़ा सवाल यही है कि आखिर करोड़ों की यह महत्वाकांक्षी योजना कब अंधेरे से निकलकर पर्यटकों के लिए रोशनी बिखेरेगी।

619 वर्षों की परंपरा का शुभारंभ: देवस्नान-चंदन जात्रा के साथ शुरू हुआ बस्तर का ऐतिहासिक गोंचा महापर्व, 14 जुलाई तक नहीं होंगे भगवान जगन्नाथ के दर्शन

जगदलपुर। आस्था, परंपरा और संस्कृति के अद्भुत संगम का प्रतीक बस्तर का 619 वर्ष पुराना रियासतकालीन गोंचा महापर्व सोमवार को देवस्नान (चंदन जात्रा) पूजा-विधान के साथ विधिवत प्रारंभ हो गया। श्रीजगन्नाथ मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और श्रद्धालुओं की भक्ति के बीच भगवान श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र का पंचामृत, चंदन एवं इंद्रावती नदी के पवित्र जल से भव्य देवस्नान-महाभिषेक संपन्न कराया गया।

इस वर्ष आयोजन में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। पहली बार देवस्नान-महाभिषेक की पूरी प्रक्रिया मंदिर के गर्भगृह से बाहर विशेष रूप से तैयार मंच पर संपन्न कराई गई, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दिव्य अनुष्ठान के साक्षी बन सके। धार्मिक परंपरा के अनुसार ग्राम आसना से भगवान शालिग्राम को शोभायात्रा के साथ लाकर मंदिर में स्थापित किया गया। इसके बाद 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मण इंद्रावती नदी से पवित्र जल लेकर मंदिर पहुंचे और वैदिक विधि-विधान के साथ अभिषेक सम्पन्न कराया।

महाभिषेक के उपरांत भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलभद्र के 22 विग्रहों को मुक्तिमंडप में विराजित किया गया। इसके साथ ही भगवान का 15 दिवसीय अनसर (अनवसर) काल प्रारंभ हो गया है। धार्मिक मान्यता है कि देवस्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और इस अवधि में वे विश्राम करते हैं। इसलिए 30 जून से 14 जुलाई तक श्रद्धालुओं के लिए भगवान के दर्शन बंद रहेंगे। इस दौरान केवल विशेष औषधियुक्त भोग अर्पित किया जाएगा, जिसका प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा।

360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने बताया कि बस्तर गोंचा महापर्व की 619 वर्षों से चली आ रही परंपराओं का पूरी श्रद्धा और शास्त्रोक्त विधि से निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई को नेत्रोत्सव के साथ भगवान पुन: भक्तों को दर्शन देंगे, जबकि 16 जुलाई को भव्य गोंचा रथयात्रा निकलेगी। इसके बाद भगवान जनकपुरी सिरहासार भवन में नौ दिनों तक विराजमान रहेंगे, जहां श्रद्धालु दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

बस्तर गोंचा समिति के संरक्षक एवं ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष ईश्वर खंबारी ने बताया कि इस वर्ष महापर्व के अंतर्गत 19 जुलाई से अखंड रामायण पाठ, 20 जुलाई को हेरा पंचमी, 21 जुलाई को छप्पन भोग, 23 जुलाई को सामूहिक उपनयन संस्कार, 24 जुलाई को बाहुड़ा (वापसी) रथयात्रा तथा कपाट फेड़ा पूजा और 25 जुलाई को एकादशी के अवसर पर महापर्व का विधिवत समापन होगा।

समिति अध्यक्ष मुक्तेश्वर पाण्डे ने कहा कि चंदन जात्रा के बाद भगवान के स्वास्थ्य लाभ हेतु 15 दिनों तक विशेष औषधियुक्त भोग अर्पित किया जाता है। इस सेवा का दायित्व 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सेवादार एवं पुरोहित निभाते हैं। श्रद्धालु इस अवधि में मंदिर पहुंचकर औषधियुक्त प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन भगवान के दर्शन परंपरा के अनुसार वर्जित रहेंगे।

बस्तर का गोंचा महापर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था और सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु और पर्यटक इस ऐतिहासिक पर्व के साक्षी बनने जगदलपुर पहुंचते हैं, जिससे बस्तर की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान पूरे देश में और अधिक गौरवान्वित होती है।

अवैध रूप से गांजा परिवहन करता आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 08.08 किलो को किया गया जप्त

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा नशे के खिलाफ अभियान चलाकर नशे के सौदागरों तथा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य मे अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन करने के लिए बस स्टैंड जगदलपुर में बस का इंतजार करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफ्लता मिली है।

ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में दिनांक 28.06.2026 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि एक 34- 35 साल का सावला व्यक्ती उड़ीसा से जगदलपुर आया है जो अपने पास एक लाल सफ़ेद रंग के बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर रायपुर की ओर परिवहन करने के लिए जगदलपुर बस स्टैंड में आम पेड़ के पास खडे होकर बस का इंतजार कर रहा है कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के दिशानिर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में थाना प्रभारी बोधघाट अन्य थाना स्टाफकी टीम बनाकर सूचना की तस्दीकी तथा कार्यवाही हेतु तत्काल बस स्टैंड में पहुंच कर सूचना तस्दीक किया गया मुखबिर के बताये हुलिया का एक लड़का मिला जिसे घेराबंदी कर पकड़ कर नाम पता पूछने पर अपना नाम सुकड़ा धुरवा पिता भीमा धुरवा उम्र 45 वर्ष निवासी केंदुगुडा नदीपारा थाना व्यापारीगुड़ा जिला कोरापुट:(उड़ीसा) का रहने वाले बताया जिसका तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जा के बैग के अंदर से मादक पदार्थ गांजा 08.08ग्रद्द किमती 4,04,000रु नगदी रकम 700 रु मिला मादक पदार्थ गांजा को अपने कब्जे में रखने/ परिवहन करने तथा बिक्री करने के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज आरोपी द्वारा पेश नहीं करने से आरोपी का यह कृत्य अपराध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का होना पाये जाने से उक्त मादक पदार्थ को विधिवत जप्त करते हुए उक्त आरोपी को दिनांक 29.06.26 को विधिवत गिरफ्तार करते हुए आरोपी के विरुद्ध 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु माननीय विशेष न्यायालय जगदलपुर भेजा गया है।

लाखों की लागत से लगा सोलर पावर प्लांट एक साल से बंद, अंधेरे में पढ़ने को मजबूर छात्र

रसोकी के विद्यालय में विद्युत व्यवस्था ठप, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की तत्काल हस्तक्षेप की मांग

सूरजपुर ब्यूरो (चांदनी बिहारपुर)- सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रसोकी स्थित शासकीय विद्यालय में लाखों रुपये की लागत से स्थापित सोलर पावर प्लांट पिछले लगभग एक वर्ष से बंद पड़ा हुआ है। रखरखाव के अभाव में पूरी विद्युत व्यवस्था ठप होने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की योजनाओं के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर लाखों रुपये की सरकारी संपत्ति भी समय पर मरम्मत नहीं होने से बेकार साबित हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में आज भी नियमित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध नहीं है। ऐसे में विद्यालय में स्थापित सोलर पावर प्लांट ही बिजली का एकमात्र भरोसा था। इसके बंद होने से विद्यालय में लाइट, पंखे एवं अन्य विद्युत उपकरण पूरी तरह निष्क्रिय पड़े हैं। गर्मी और उमस के बीच विद्यार्थियों को बिना बिजली के पढ़ाई करनी पड़ रही है, जिससे शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि सोलर पावर प्लांट खराब होने की जानकारी कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को दी गई, लेकिन आज तक किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण तक नहीं किया। न ही प्लांट की मरम्मत कराई गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी योजनाओं के रखरखाव को लेकर विभागीय स्तर पर गंभीरता का अभाव है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय परिसर में स्थापित क्रेडा लाखों रुपये का सोलर प्लांट अब शोपीस बनकर रह गया है। समय रहते मरम्मत नहीं होने से इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। यदि शीघ्र सुधार कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में पूरी यूनिट अनुपयोगी हो सकती है, जिससे शासन के लाखों रुपये व्यर्थ चले जाएंगे।

ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि विद्यालय के सोलर पावर प्लांट की तत्काल तकनीकी जांच कराकर मरम्मत कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई और विद्यालय की सुविधाओं से जुड़ा यह मामला अत्यंत गंभीर है और इसमें शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब सवाल यह है कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए स्थापित लाखों रुपये का सोलर पावर प्लांट आखिर कब तक बंद पड़ा रहेगा और जिम्मेदार विभाग इसे चालू कराने के लिए कब कदम उठाएगा।

संपादकीय

अब कीमत चुकाने का वक्त

अमेरिका का मकसद एआई तकनीक में अपने करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह वह फ्रंटियर एआई मॉडलों को राष्ट्रीय-सुरक्षा संपत्ति में बदल रहा है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। अमेरिका ने एंथ्रोपिक कंपनी के दो सबसे उन्नत एआई मॉडलों फेबल-5 और माइथोस-5 तक विदेशी नागरिकों की पहुंच रोक दी है। यह प्रतिबंध न केवल अमेरिका से बाहर मौजूद यूजर्स पर लागू हुआ है, बल्कि अमेरिका-वासी विदेशी नागरिक भी इन मॉडलों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे, जिनमें खुद एंथ्रोपिक कंपनी के विदेशी कर्मचारी भी शामिल हैं। इसे अमेरिका सरकार की प्रतिमान बदल देने वाली कार्रवाई समझा गया है। स्पष्टतः इसे सिर्फ सेंसरशिप या साइबर सुरक्षा के जाने-पहचाने नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। यहां अमेरिका ने प्रतिबंध सिर्फ अपने शत्रु या प्रतिद्वंद्वी देशों पर नहीं, बल्कि तमाम देशों के नागरिकों पर लगाई है, जिसमें उसके सहयोगी और दोस्त देश भी शामिल हैं। इसे रेखांकित किया जाना चाहिए कि एंथ्रोपिक कंपनी को आदेश देते वक्त डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने कारण वैश्विक एआई सुरक्षा को बढ़ावा देना, जिम्मेदार आविष्कार का समर्थन, या खुलापन वाले तकनीकी माहौल का निर्माण- नहीं बताया। बल्कि दो टूक कहा कि मकसद एआई के क्षेत्र में अमेरिका का वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखना है। कहा कि ये कार्रवाई सुनिश्चित करेगी कि अमेरिका एआई आविष्कार में सबसे आगे बना रहे। कहा जा सकता है कि अमेरिकी सरकार की यह असामान्य रूप से ईमानदार भाषा है। यह बताती है कि उसके लिए मुद्दा सबसे नई तकनीक में अमेरिकी ताकत के करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह अमेरिका सरकार ने अग्रणी (फ्रंटियर) एआई मॉडलों को राष्ट्रीय-सुरक्षा संपत्ति में बदलने की शुरुआत कर दी है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों की कंपनियों और संस्थाओं की समझ थी कि वे फीस चुका कर अमेरिका में विकसित हो रही नई तकनीक का फायदा उठाते रह सकेंगे। मगर अब साफ कर दिया गया है कि किस तकनीक की किस हद तक सेवा वे खरीद सकेंगे, यह अमेरिका सरकार तय करेगी। अब यह भारत जैसे देशों को सोचना है कि उनके सामने क्या विकल्प है और अमेरिकी तकनीक के भरोसे चलना कितना मुफीद है? सच यह है कि तकनीक संप्रभुता पर ध्यान देकर भारत ने अपने हितों से समझौता किया है। अब कीमत चुकाने का वक्त है।

आलेख

विश्व सोशल मीडिया दिवसः संवाद, सूचना और नवाचार का मंच

सुनील कुमार महला

आज का युग सोशल मीडिया का युग है।सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को आपस में जोड़ने और संचार में इसकी भूमिका को रेखांकित करने के लिए 30 जून को प्रतिवर्ष 'विश्व सोशल मीडिया दिवस' मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताता चलूं कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में लोकप्रिय डिजिटल समाचार और मीडिया मंच द्वारा की गई थी। वास्तव में, इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों, विभिन्न समुदायों और विश्व के विभिन्न देशों को जोड़ने में इसकी भूमिका को पहचान देना था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य जोर जिम्मेदार, सुरक्षित और सकारात्मक डिजिटल संवाद पर है।

हम सभी यह जानते हैं कि सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित ऐसे डिजिटल मंच हैं, जहां लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, विभिन्न जानकारियां, विचार आदि साझा करते हैं, अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं, फोटो-वीडियो आदि पोस्ट करते हैं और आपस में संवाद करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम,एक्स(पूर्व में जिसे ट्विटर के नाम से जाना जाता था), वाट्सएप,यू-ट्यूब, लिंकेडिन, स्नैपचैट, टेलीग्राम, पिंटेरेस्ट तथा रेडिट आदि इसके प्रमुख उदाहरण हैं।सरल शब्दों में कहें तो, ऐसे सभी ऑनलाइन मंच जहां लोग आपस में जुड़कर सामग्री (टेक्स्ट, फोटो, वीडियो, ऑडियो) साझा करते हैं और आपसी संवाद करते हैं, सोशल मीडिया कहलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज सोशल मीडिया संचार, मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार और जनजागरूकता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। सोशल मीडिया के लाभ यह हैं कि इससे जहां एक ओर त्वरित संचार और संपर्क संभव है, वहीं दूसरी ओर ये ज्ञान और जानकारी का आदान-प्रदान करने,व्यवसाय और रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा सामाजिक और जनहित अभियानों को बढ़ावा देने में सहायक और उपयोगी साबित हो सकते हैं। लेकिन आज सोशल मीडिया के समक्ष अनेक चुनौतियां भी विद्यमान हैं। मसलन, फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी,साइबर अपराध और गोपनीयता का खतरा, समय की बर्बादी और डिजिटल लत तथा मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव इन चुनौतियों में प्रमुख हैं।इसलिए सोशल मीडिया का उपयोग अत्यंत जागरूकता, जिम्मेदारी और संतुलन के साथ करना बहुत ही आवश्यक व जरूरी है, ताकि इसके लाभों का अधिकतम उपयोग किया जा सके और दुष्प्रभावों से बचा जा सके। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि विश्व सोशल मीडिया दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सोशल मीडिया केवल और केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि यह आपसी संवाद, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली व बेहतरीन माध्यम है। इसका उपयोग जिम्मेदारी, सत्यता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए, तो यह समाज और मानवता के साथ ही साथ समाज और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण व अहम् योगदान दे सकता है।

डिजिटल इंडियाःपरिवर्तन के 11 वर्ष...

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश भर में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन-देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के तरीके को बदल दिया है। पिछले 11 वर्ष में भारत ने बड़े पैमाने पर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पारिस्थितिकी में से एक को तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कौशल प्रदान करने, खेती और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाई है। भारत डिजिटल पेमेंट और डिजिटल गवर्नेंस नवाचार में ग्लोबल लीडर के तौर पर भी उभरा है। 'इंडिया स्टैक' के कई देशों तक पहुंचने के साथ, डिजिटल इंडिया समावेशी, नागरिक-केंद्रित और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास में भारत के वैश्विक नेतृत्व को मजबूत कर रहा है।

डिजिटल इंडिया का विकास डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को 11 वर्ष पूरे कर रहा है, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन की यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। 2015 से पहले, सरकारी सेवाओं का मतलब अकसर लंबी पंक्तियाँ, कागजी कार्रवाई और सीमित संपर्क होता था। डिजिटल इंडिया ने इंटरनेट की पहुंच बढ़ाकर और सेवाओं को ऑनलाइन लाकर डिजिटल अंतर को कम करने में सहायता की। इसने डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत किया और सेवाओं को अधिक तेज, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया। अब लाखों लोग स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। डिजिटल अवसंरचना में सरकारी निवेश ने ग्रामीण और शहरी भारत में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया। इस कार्यक्रम ने किफायती इंटरनेट और बड़े पैमाने पर डिजिटल पहुंच के जरिए डिजिटल टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण को भी बढ़ावा दिया। पिछले दशक में, डिजिटल इंडिया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की नींव बन गया है। भारत अब ग्लोबल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में सबसे आगे है, जिसमें यूपीआई मात्रा के लिहाज से दुनिया भर के लेनदेन का लगभग 49त्न संभालता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12-14त्न का योगदान देती है। आशा है कि अगले दशक में यह लगभग पांचवां हिस्सा (20त्न) योगदान देगी। डिजिटल इंडिया ने अलग-अलग क्षेत्र में नवाचार, स्टार्टअप ग्रोथ और प्रौद्योगिकी को अपनाने की गति को तेज किया। इसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा में भारत की क्षमताओं को भी मजबूत किया। जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत 2047' की ओर बढ़ रहा है, डिजिटल इंडिया देश भर में समावेशी विकास, प्रौद्योगिकी के मामले में आत्मनिर्भरता और नागरिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है।

डिजिटल इंडिया के नौ स्तंभ डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को 9 स्तंभों के आधार पर बनाया गया था, ताकि डिजिटल पहुंच को बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत ढांचा तैयार किया जा सके।

स्तंभ 1: ब्रॉडबैंड हाईवेज पूरे देश में डिजिटल अंतर को पाटने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी बहुत ज़रूरी है। भारतनेट-1 और भारतनेट-2 के अंतर्गत, देश भर में 2.22 लाख से ज़्यादा ग्राम पंचायतों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। जनवरी 2026 तक, लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतें यानी लगभग 97त्न पंचायतें जुड़ चुकी हैं और देश भर में लगभग 7 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। इससे ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस, डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और स्थानीय उद्यमिता को काफी मजबूती मिली है।

स्तंभ 2: मोबाइल कनेक्टिविटी तक सबकी पहुँच डिजिटल गवर्नेंस और समावेशी आर्थिक वृद्धि के लिए भरोसेमंद ब्रॉडबैंड ज़रूरी है। मार्च 2026 के अंत तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई। इससे ग्रामीण भारत में भरोसेमंद 'लास्ट-माइल' डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई।

स्तंभ 3: सार्वजनिक इंटरनेट पहुंच कार्यक्रम

आसानी से उपलब्ध डिजिटल सेंटर नागरिकों को अपने घरों के पास सेवाएं पाने में सहायता करते हैं। अब 6.5 लाख से ज़्यादा सामान्य सेवा केंद्र और 1.6 लाख डाक घर डिजिटल सेवाएं दे रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में ई-गवर्नेंस, बैंकिंग और नागरिक सेवाएं प्रदान करते हैं।

स्तंभ 4: ई-गवर्नेंसः टेक्नोलॉजी के ज़रिए सरकार में सुधार इलेक्ट्रॉनिक रूप से सेवाएँ देने के लिए बनाया गया ई-गवर्नेंस, पेपरलेस, एकीकृत और जनता-केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देता है। आज, डिजिलॉकर और नेशनल सिंगल साइन-ऑन इकोसिस्टम जैसे प्लेटफ़ॉर्म सर्टिफ़िकेट, आवेदन, भुगतान और सार्वजनिक सेवाओं तक आसानी से पहुँचने में मदद करते हैं, जिससे कागज़ी काम कम होता है और जीवन आसान बनता है।

स्तंभ 5: ई-क्रांतिः सेवाओं का इलेक्ट्रॉनिक वितरण डिजिटल इंडिया के सेवा वितरण स्तंभ के तौर पर, ई-क्रांति ने फिजिकल से डिजिटल गवर्नेंस की ओर परिवर्तन को तेज़ किया है। e-Hospital, e-Sanjeevani और e-Courts जैसे एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म ने सर्टिफ़िकेट, स्वास्थ्य देखभाल और न्याय सेवाओं तक पहुँच को आसान बना दिया है, जिससे शासन ज़्यादा कुशल और नागरिक-केंद्रित हो गया है। क्या आप जानते थे? e-Courts मिशन मोड प्रोजेक्ट ने भारत की कागज़-आधारित न्यायिक प्रणाली को डिजिटल न्याय पारिस्थितिकी में बदल दिया है। 660 करोड़ से ज़्यादा पृष्ठ डिजिटाइज़ किए गए हैं, जबकि 1.07 करोड़ केस ऑनलाइन फ़ाइल किए गए हैं।

स्तंभ 6: सभी के लिए जानकारी

यह स्तंभ सरकारी जानकारी को आसानी से उपलब्ध कराकर और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देकर पारदर्शी और भागीदारी वाले शासन को मज़बूत करता है। स्त्रश्1

और ह्श्वद्दठ्ठ त्रश्1द्गह्लठ्ठद्वद्दठ्ठह्ल ष्ठ्ठह्लह्ल जैसी पहल नागरिकों को जानकारी पाने और सरकारी कार्यक्रमों व सेवाओं से रियल-टाइम में जुड़े रहने में सक्षम बनाती हैं।

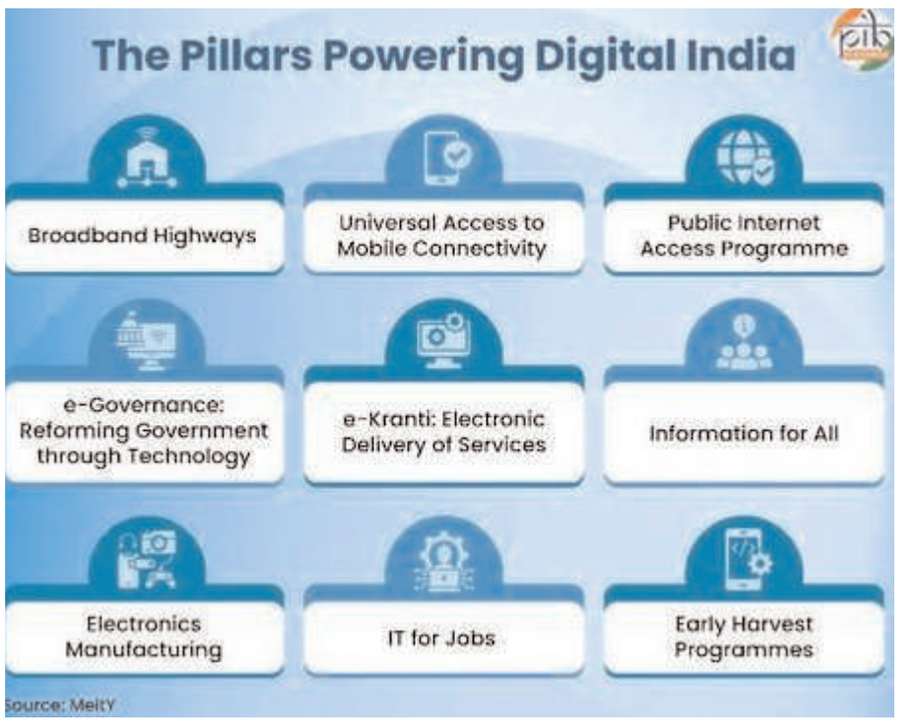

स्तंभ 7: इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण डिजिटल इंडिया ने नीति समर्थन, नवाचार और निवेश के ज़रिए भारत की इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी को मज़बूत किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 में ?1.9 लाख करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक लगभग ?12 लाख करोड़ हो गया है। आज, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फ़ोन निर्माता है, जो ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में इसकी बढ़ती भूमिका को दिखाता है।

स्तंभ 8: नौकरियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर सर्जित कर रही है। नैसकॉम के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी और ढ्ढञ्जद्गस् उद्योग ने वित्त वर्ष 2025 में 283 अरब अमरीकी डॉलर का राजस्व सर्जित किया है। भारत के 2,100 से ज़्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (त्रष्टष्ट्व) में इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और एआई-आधारित भूमिकाओं में लगभग 26 लाख प्रोफ़ेशनल काम करते हैं।

स्तंभ 9: अर्ली हार्वेस्ट प्रोग्राम बायोमेट्रिक अटेंडेंस, सुरक्षित सरकारी ईमेल, पब्लिक वाई-फाई हॉटस्पॉट, ई-बुक्स, एसएमएस-आधारित मौसम चेतावनी और डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म जैसी तुरंत असर दिखाने वाले कार्यक्रमों ने प्रौद्योगिकी-आधारित शासन के फ़ौरन मिलने वाले फ़ायदे दिखाए। ये 9 स्तंभ डिजिटल इंडिया के लिए रणनीतिक ढांचा तैयार करते हैं और ऐसे देश की नींव रखते हैं जो आपस में जुड़ा हुआ है और भविष्य के लिए तैयार है।

प्रमुख पहल जिन्होंने समावेशी दशक को शक्ति दी डिजिटल इंडिया प्रोग्राम, डिजिटल अंतर को कम करने की पहल से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े डीपीआई इकोसिस्टम में से एक बन गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में शासन को बढ़ावा दे रहा है।

जेएएम ट्रिनिटीः डिजिटल इंडिया की नींव जेएएम ट्रिनिटी — जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी — ने भारत में वित्तीय समावेशन और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने के तरीके में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इसने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा और सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच संभव बनाई। जन धन योजना ने पूरे देश में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को तेज़ी से बढ़ाया। बैंक खाते मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से बढ़कर फरवरी 2026 तक 57.78 करोड़ हो गए। इसी दौरान जमा राशि ?15,670 करोड़ से बढ़कर ?2.94 लाख करोड़ हो गई। इसके अलावा, आधार ने सुरक्षित और तुरंत डिजिटल प्रमाणीकरण के लिए भरोसेमंद बायोमेट्रिक पहचान प्लेटफॉर्म बनाया। आधार नामांकन 2010-11 में 0.42 करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक 144 करोड़ से अधिक हो गए। मोबाइल कनेक्टिविटी ने पूरे भारत में डिजिटल पहुंच बढ़ाकर जेएएम इकोसिस्टम को और मज़बूत किया। मार्च 2026 तक, 85.5त्न भारतीय परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन था, जबकि 109 करोड़ से अधिक लोगों के पास इंटरनेट की सुविधा थी। इन तीनों (जेएएम) ने मिलकर डिजिटल इंडिया के समावेशी शासन ढांचे की रीढ़ का कार्य किया। जून 2026 तक, 176 करोड़ नागरिकों को सीधे ?51 लाख करोड़ से अधिक का लाभ अंतरित किया गया, जिससे पूरे देश में पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस में सुधार हुआ।

केस स्टडीः भारत ने अपनी डिजिटल पहचान में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव किया आधार से पहले, लाखों भारतीयों के पास सत्यापन योग्य पहचान पत्र नहीं था, जिससे बैंकिंग, कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित हो गई थी। आधार ने सुरक्षित बायोमेट्रिक-आधारित डिजिटल पहचान मंच के माध्यम से इस चुनौती का समाधान किया। समावेश पर केंद्रित इस कार्यक्रम की प्रतीक, महाराष्ट्र के तेम्भाली गांव की आदिवासी महिला श्रीमती रंजना सोनावाने, पहली आधार धारक बनीं। आधार ने न केवल मुख्यधारा के नागरिकों, बल्कि पूरे भारत में आदिवासी और वंचित समुदायों के लिए भी बैंकिंग, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया। आधार अधिनियम, 2016 के पारित होने के बाद इस परिवर्तन को और गति मिली, जिसने यूआईडीएआई को वैधानिक अधिकार प्रदान किया और आधार को मूलभूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में मान्यता दी। आधार ने बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोलने और प्रमाणीकरण को सक्षम बनाकर और वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके भारत के वित्तीय समावेशन को पुनर्गठित किया। बिचौलियों के बिना कल्याणकारी योजनाएँ: आधार ने सुरक्षित और पारदर्शी सेवा वितरण को सक्षम बनाकर कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में क्रांति ला दी है। अनाज के सार्वजनिक वितरण का 98त्न से अधिक हिस्सा अब आधार-प्रमाणित है। पात्र लाभार्थी आधार-आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग करके 3,100 से अधिक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और 360 से अधिक सार्वजनिक सेवाओं से लाभान्वित होते हैं। सत्यापन अब कागजी प्रक्रिया से मुक्तः आधार ने विभिन्न क्षेत्रों में पहचान सत्यापन को सरल बना दिया है। 30 अप्रैल 2025 तक कुल ई-केवाईसी लेनदेन 2,393 करोड़ तक पहुंच गए, जिससे कागजी कार्रवाई कम हुई और सार्वजनिक सेवाओं तक तेजी से पहुंच संभव हुई। इसका नवीनतम संस्करण, आधार ऐप, लॉन्च होने के पांच महीनों के भीतर ही 3.1 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर चुका है। यह मोबाइल नंबर और पते के डिजिटल अपडेट जैसी सेवाएं प्रदान करता है, जिससे कागज रहित सत्यापन को रोजमर्रा के उपयोग में लाया जा सकता है। विश्व की निगाहों का केंद्रः आज, आधार को वैश्विक स्तर पर डिजिटल पहचान प्रणाली (डीपीआई) के लिए मानक के रूप में मान्यता प्राप्त है, और मिस्र, नाइजीरिया, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी जैसे देश इस मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे भरोसेमंद डिजिटल पहचान प्रणालियों में से एक है, जो विश्व भर में डिजिटल शासन मॉडलों को प्रेरित करती है।

डिजिलॉकर: डिजिलॉकर फिजिकल डॉक्यूमेंट्स की जगह सुरक्षित डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल कर रहा है और पूरे भारत में दस्तावेज़ों को सहेजने और उनके सत्यापन के तरीके को बदल रहा है। मार्च 2026 तक, इस प्लेटफ़ॉर्म पर 70.69 करोड़ से ज़्यादा यूज़र्स रजिस्टर हो चुके हैं और 850 करोड़ से ज़्यादा दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं, जिससे सत्यापन तेज़, कागज़मुक्त और ज़्यादा भरोसेमंद हो गया है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) 2026 में दस वर्ष पूरे कर रही यूपीआई, नागरिकों और बिज़नेस के लिए तुरंत और सुरक्षित लेनदेन के ज़रिए डिजिटल भुगतान का कायाकल्प कर रहा है। जो साधारण पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब पूरे भारत में रोज़ाना के डिजिटल कॉमर्स को चला रहा है। लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में सिर्फ़ 2 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ से ज़्यादा हो गई है। यूपीआई की ग्लोबल पहुंच अब नौ देशों तक फैल गई है, जिसमें कंबोडिया सबसे नया देश है जिसने यात्रियों के लिए आसान यूपीआई-आधारित भुगतान की सुविधा शुरू की है। क्या आप जानते थे? भीम (भारत इंटरफेस फॉर मनी) सरकार द्वारा समर्थित यूपीआई ऐप है जिसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बनाया है। यह यूपीआई का इस्तेमाल करके तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा देता है, जिससे पूरे भारत में लाखों लोगों के लिए सुरक्षित और कैशलेस डिजिटल भुगतान आसान और सुलभ हो जाते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पिछले दशक में, डिजिटल इंडिया ने सेवाओं को तेज़, कनेक्टेड और ज़्यादा सुलभ बनाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में परिवर्तन किया है। ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस) मरीज़ों को डिजिटल रूप से अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा देती है, साथ ही लाइन और कागज़ी काम को भी कम करती है। 24 जून 2026 तक, ओआरएस पर 1.37 करोड़ से ज़्यादा ऑनलाइन अपॉइंटमेंट दर्ज किए जा चुके हैं। इस पारिस्थितिकी का समर्थन करते हुए, क्लाउड-बेस्ड eHospital प्लेटफ़ॉर्म अस्पताल के कामकाज को डिजिटाइज़ कर रहा है, जबकि eBloodBank स्वास्थ्य संस्थानों में रक्त की उपलब्धता और प्रबंधन को बेहतर बना रहा है। eSanjeevani के ज़रिए स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच और बढ़ रही है। यह टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म मरीज़ों को दूर से ही विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में डॉक्टरों से जोड़ता है, इससे यात्रा का खर्च और प्रतीक्षा का समय कम हो रहा है, साथ ही पूरे देश में स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर तक पहुँच बढ़ रही है। 24 जून 2026 तक, eSanjeevani ने 48 करोड़ से ज़्यादा कंसल्टेशन में मदद की है और 2.3 लाख से ज़्यादा हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स को जोड़ा है, जिससे टेलीमेडिसिन सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण का महत्वपूर्ण अंग बन गई है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने आरोग्य सेतु और CoWIN जैसे प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए अपने डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम का विस्तार किया। आरोग्य सेतु ने शुरू में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) और स्वास्थ्य परामर्श जारी करने में सहायता की। बाद में यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य ऐप बन गया। CoWIN भारत के टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटल आधार बन गया। इसने 220 करोड़ से ज़्यादा वैक्सीन डोज़ का प्रबंधन किया और डिजिटल पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए ग्लोबल मॉडल के तौर पर उभरा। Tele MANAS पूरे देश में 14416 और 1-800-891-4416 के ज़रिए मुफ़्त टेली-काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन देता है। जून 2026 तक, इसे 40.42 लाख से ज़्यादा कॉल मिल चुके हैं, और देश भर में इसके 53 Tele MANAS सेल, 23 मेंटरिंग इंस्टीट्यूट और 5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र हैं। इसके अलावा, MANAS (मादक-पदार्थ निषेध आसूचना केंद्र) नागरिकों को टोल-फ्री नंबर 1933 और उमंग ऐप के ज़रिए मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े अपराधों की गुमनाम रूप से रिपोर्ट करने की सुविधा देता है। यह प्लेटफ़ॉर्म काउंसलिंग और पुनर्वास सहायता भी देता है। जून 2026 तक, इसे मादक पदार्थों से जुड़ी 2.16 लाख से ज़्यादा जानकारी और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी 16,200 से ज़्यादा कार्रवाई-योग्य जानकारी मिली है, जिससे देशव्यापी 'मादक पदार्थ मुक्त भारत' अभियान मज़बूत हुआ है।

प्रौद्योगिकी के ज़रिए व्यापार को सशक्त बनाना गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने सरकारी खरीद को पारदर्शी, कुशल और पेपरलेस बनाकर उसमें बड़ा बदलाव किया है। जून 2026 तक, इसने ?18.4 लाख करोड़ से ज़्यादा का कुल ग्रॉस मर्चेंडाइज़ वैल्यू (GMV) दर्ज किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 का ?5 लाख करोड़ भी शामिल है। साथ ही, इसने 11 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (स्स्रूश्व) को सरकारी बाज़ारों तक पहुँचने में सहायता की है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) ऐसा खुला और इंटरऑपरेबल डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम बना रहा है जो अलग-अलग प्लेटफ़ॉर्म पर खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ता है। जून 2026 तक, ONDC का विस्तार 20 करोड़ से ज़्यादा खरीदारों और 5 लाख विक्रेताओं तक हो गया था; यह 1,000 शहरों में मौजूद है और यहाँ हर महीने लगभग 90 लाख लेनदेन होते हैं। ONDC ने भारतीय डाक विभाग को रसद सेवा प्रदाता के तौर पर भी जोड़ा है, जिससे पूरे देश में भरोसेमंद और व्यापक ई-कॉमर्स डिलीवरी मज़बूत हुई है। तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) को बढ़ावा देकर और प्लेटफ़ॉर्म पर निर्भरता कम करके, ONDC छोटे व्यवसायों के लिए बाज़ार तक बेहतर पहुँच बना रहा है और डिजिटल कॉमर्स में समावेशी विकास को बढ़ावा दे रहा है। इन प्लेटफ़ॉर्म ने खरीद की प्रक्रियाओं को आसान बनाया है, छोटे व्यवसायों के लिए बाज़ार तक पहुँच बढ़ाई है और प्रतिस्पर्धी कीमतों को बढ़ावा दिया है। त्द्गरू और ONDC ने 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में आसानी) को भी मज़बूत किया है और भारत में सार्वजनिक सेवा वितरण के बड़े पैमाने पर डिजिटलाइज़ेशन को आगे बढ़ाया है। क्या आप जानते थे? eSaras और Indiahandmade स्वयं-सहायता समूहों, बुनकरों और कारीगरों को सीधे डिजिटल बाज़ारों तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण आजीविका को सहारा मिलता है और पारंपरिक शिल्प सुरक्षित रहते हैं। ONDC के साथ जुड़ने से 11 से ज़्यादा बायर ऐप पर उनकी पहुँच और भी बढ़ गई है।

सामाजिक कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित सार्वजनिक सेवाएँ उमंग सरकारी सेवाओं के लिए सिंगल डिजिटल गेटवे बन गया है, जिसमें 2017 की 166 सेवाओं की तुलना में जून 2026 तक 2572 सेवाएं शामिल हो गई हैं। लेनदेन की संख्या 3.9 करोड़ से बढ़कर 796.69 करोड़ हो गई है, जिससे बड़े पैमाने पर डिजिटल सेवाओं को अपनाए जाने का पता चलता है। नागरिकों के लिए अलग-अलग तरह की सेवाओं को एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर लाकर, उमंग ने पूरे देश में सरकारी सेवाओं तक पहुँचने, सुविधा और आसानी को बेहतर बनाया है। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) ने पंजीकरण, रिटर्न फाइलिंग, कर भुगतान और ई-इनवॉइसिंग को एक साथ लाकर अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को आधुनिक बनाया है। अप्रैल 2026 तक, कुल जीएसटी संग्रह लगभग ?2.43 लाख करोड़ तक पहुँच गया। इस प्लेटफ़ॉर्म ने कर नियमों का पालन बेहतर किया है, पारदर्शिता बढ़ाई है और जीएसटी सिस्टम के तेज़ी से और प्रौद्योगिकी-आधारित कामकाज को संभव बनाया है। पोषण ट्रैकर (POSHAN Tracker) पोषण सेवा की रियल-टाइम मॉनिटरिंग में सहायता करता है। यह 13.35 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को जोड़ता है और 8.9 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों तक सेवाएँ पहुँचाता है, जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, बच्चे (0-6 वर्ष) और किशोर लड़कियाँ (आकांक्षी ज़िलों और पूर्वोत्तर राज्यों में) शामिल हैं। इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने डेटा-आधारित निगरानी को संभव बनाया है और महिलाओं व बच्चों के लिए पोषण और कल्याण कार्यक्रमों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद की है। क्या आप जानते थे? पोषण हेल्पलाइन (1515 डायल करें) समर्पित सरकारी सहायता सुविधा है, जिसे 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)' के लाभार्थियों के लिए बनाया गया है। यह 17 भाषाओं में जानकारी, शिकायतों के समाधान और तकनीकी सहायता तक तुरंत पहुँच प्रदान करती है। पीएम गतिशक्ति ने एकीकृत अवसंरचना नियोजन के लिए जीआईएस-आधारित प्लेटफ़ॉर्म बनाया है। फरवरी 2026 तक, नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने ?16.10 लाख करोड़ की लागत वाले 352 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया था, जिनमें से 201 को स्वीकृति दी गई और 167 पर काम चल रहा है। विभिन्न क्षेत्रों और मंत्रालयों के बीच तालमेल वाली प्लानिंग को संभव बनाकर, इस प्लेटफ़ॉर्म ने कार्यक्षमता बढ़ाई है, लॉजिस्टिक्स की कमियों को दूर किया है और अवसंरचना के विकास में तेज़ी लाई है।

खुद को खुश रखने के तारीके खोजें..दुःख परेशानी चिन्ता तो खुद आपको खोज लेगी.. अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

उज्जैन। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दिक्षा भुमी परतापुर बांसवाड़ा से पुष्पगिरी की और चल रही है उसी श्रृंखला में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि। परमात्मा को नित्य धन्यवाद दो जो उसने आपको इतना प्यारा शरीर, मन, बुद्धि और सोच दी, अन्यथ: इसके बिना आपकी जिन्दगी कैसी होती-? इसलिए उससे शिकायत मत करो, जिसने जीने के लिए सब कुछ दिया।

जीवन को हम ही नहीं जी पा रहे, तो उसमे परमात्मा का क्या दोष-? जैसे - टायर चलने पर घिसते हैं, जीवन भर चलने पर पैर नहीं घिसते। शरीर में 75त्न पानी भरा है, फिर भी एक बून्द का लीकेज नहीं है। कोई भी वस्तु बिना सहारे खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन यह शरीर खुद का बैलेन्स बनाकर चलता है। कोई भी बैटरी बिना चार्जिंग के नहीं चलती, लेकिन हृदय जन्म से लेकर मृत्यु तक बिना रूके धड़कता है। कोई पंप जीवन भर नहीं चल सकता, लेकिन रक्तचाप जीवन की अन्तिम स्वांस तक बिना रूके चलता रहता है। दुनिया में सबसे महंगे कैमरे भी सीमित है, लेकिन आंखे हजारों मेगापिक्सल की गुणवत्ता में हर दृश्य को कैद कर सकती है। कोई भी लैब हर स्वाद का टेस्ट नहीं बता सकती, लेकिन जीभ बिना किसी उपकरण के हजारों स्वाद पहचान लेती है। सबसे एडवांस्ड सेन्सर भी सीमित होते हैं, लेकिन शरीर [त्वरा] हल्की से हल्की संवेदना को महसूस कर सकती है। कोई भी यन्त्र सभी ध्वनि नहीं निकाल सकता, लेकिन कण्ठ से हजारों फ्रीक्वेंसी की आवाजें पैदा हो सकती है। कोई भी डिवाइस सभी तरह की ध्वनियों को डिकोड नहीं कर सकती, लेकिन कान हर ध्वनि को समझकर अर्थ निकाल लेते हैं।

इसलिए परमात्मा प्रदत्त मनुष्य जीवन के उपहार का जीते जी उपहास मत होने देना, अन्यथ: फिर भटकना पड़ेगा 83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियो में...!!!आज यह अंतर्मना-अहिंसा-संस्कार पदयात्रा दिशा-तपोभूमि उज्जैन, मकसी पार्श्वनाथ,सोनकच्छ, पुष्पगिरी तीर्थ मध्यप्रदेश की ओर बढते गुरु चरण परम पूज्य गुरुदेव भारत गोरव विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी उत्तम सिंह निष्किडित व्रत्तकर्ता अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज जी चतुर्विध संघ का भव्य मंगल पद विहार दिनाँक 28 जून 2026, रविवार, सुबह 5.30 बजे द ग्लोबल संस्कृति स्कूल, रसूलाबाद जिला उज्जैन मध्यप्रदेश से गोविंदम् रेस्टोरेंट, शुभरत्न रिसोर्ट, इंगोनिया, जिला उज्जैन मध्यप्रदेश 13 किलोमीटर के लिए होगा। ऐसी जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है

हमें भविष्य की चिंता के बजाय वर्तमान में जीना चाहिए- जैन मुनि नेपाल केसरी डॉ. मणिभद्र महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। सर्वोदय शांति पदयात्रा विचरण करते हुए रायपुर पहुंच गई। जैन मुनि नेपाल केसरी डॉ. मणिभद्र महाराज के नेतृत्व में चल रही यह सर्वोदय शांति पदयात्रा नेपाल से लगभग 1600 किलोमीटर की दूरी तय करके छत्तीसगढ़ पहुंची है। इस समय वे रायपुर के पटवा भवन में हैं साथ ही प्रवचन के माध्यम से लोगों तक मनुष्य भव के महत्व को पहुंचा रहे हैं।

पटवा भवन में सोमवार को उन्होंने कहा कि जिसने एक को जान लिया वह सब कुछ जान लेता है, किसे जानना है? हमें आत्मोन्मुखी होकर आत्मा को जानना है। हम बाहरी दुनिया और पदार्थों को जानने में ज्यादा रुचि रखते हैं। हमें भविष्य की चिंता के बजाय वर्तमान में जीना सीख लेना चाहिए। कितना भी बाहर देख लो आना तो भीतर ही पड़ेगा। प्रवचन देना और ग्रंथ लिखना आसान होता है किंतु आत्म अनुभूति करना कठिन है।

राष्ट्रसंत ने गजसुकुमाल मुनि, संत मंसूर सेठ सुदर्शन-अर्जुनमाली एवं चंदनबाला महासती का उदाहरण देते हुए बताया कि सुख या दुख कर्मों का फल होता है अत: इस समभाव से स्वीकार करना चाहिए। 84 लाख जीव योनि में एक मनुष्य ही है जो आत्महत्या करता है बाकी कोई जीव नहीं करता। बाल सफेद होने पर मनुष्य बालों का रंग बदल लेता है पर जीने का ढंग नहीं बादल पाता।

श्रमण संघ के विनय पटवा ने बताया कि राष्ट्रसंत का विचरण पटवा भवन से कल प्रात: विहार कर मेट्रो हाइट्स तेलीबांधा, पंचशील नगर, शंकर नगर, देवेंद्र नगर एवं वॉलफोर्ट आदि स्थानों को फरसते हुए दुर्ग चातुर्मास हेतु प्रस्थान करेंगे।

सभा में श्रमण संघ के अध्यक्ष अशोक पटवा, डॉक्टर अनिल कर्णावट, यशवंत कोटेचा, संदीप बैद, संजय नाहटा आदि श्रद्धालु गण भारी संख्या में उपस्थित थे।

युवा परिषद् प्रतापनगर सम्भाग द्वारा स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत जीवदया सेवार्थ संकल्पपथ पावन हुआ

जयपुर। भारत देश की सबसे प्राचीन संस्था अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के 50 वें स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत एवम परम पूज्या गौरव गणिनी प्रमुख ,आर्यिका शिरोमणी ,राष्ट्र गौरव , 105 श्री ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद पथ को पावन करता हुआ जीवदया सेवार्थ कार्यक्रम युवा परिषद की प्रतापनगर सम्भाग जयपुर शाखा द्वारा रविवार 28 जून को प्रात: बेला में दुर्गापुरा गोरस गौशाला में आयोजित हुआ। युवा परिषद् प्रतापनगर के अध्यक्ष अनिल पाटनी के अनुसार कार्यक्रम में गौ माता को सभी सदस्यों ने हर घर से 05 रोटी का पुण्य सेवापथ कार्य सम्पादित किया,आज गौ सेवा के पुनीत सेवाकार्य मे परिषद परिवार द्वारा 1100 किलो सब्जियां,300 किलो ताजे फल,400 किलो हरा चारा एवम पक्षियों पंछियों के चुग्गे दाने की उत्तम सेवामयी व्यवस्था को उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने पुण्य अर्पण हाथों से जीवदया पथ पर पावन किया। युवा परिषद परिवार के लगभग 95 सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया एवम स्वयं के दिव्य सेवापथ हाथों से गाय माता की सेवार्थ पुण्य अर्जित किया.

काव्य संध्या मुसाफ़िर हो तुम भी मुसाफ़िर हैं हम भी का सफल आयोजन

रायपुर(विश्व परिवार)। नवरंग काव्य मंच द्वारा दि. 27 जून शनिवार को वृन्दावन हॉल, सिविल लाइंस, रायपुर में प्रख्यात शायर डॉ बशीर बद्र की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या मुसाफ़िर हो तुम भी मुसाफ़िर हैं हम भी का कार्यक्रम बेहद सफल रहा। लोकप्रिय कवि राजेश जैन राही ने डॉ. बशीर बद्र की प्रसिद्ध ग़ज़लों के माध्यम से बेहद दिलकश अंदाज़ में मंच संचालन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीईसी रायपुर विज्ञान एवं मानविकीय विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता चौबे थीं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ माणिक विश्वकर्मा नवरंग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। महासमुंद से पधारे लोकप्रिय शायर अशोक शर्मा, एम राजीव (युवा) एवं अजीत जैन विशिष्ट अतिथि थे।

डॉ .सीमा श्रीवास्तव ने डॉ. बशीर बद्र की जीवनी एवं साहित्यिक अवदान का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ.नवरंग एवं अशोक शर्मा ने डॉ. बशीर बद्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डाला। जिस दिन से चला हूँ मेरी मंज़िल पे नज़र है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा। अच्छा तुम्हारे शहर का दस्तूर हो गया, जिसको गले लगा लिया वो दूर हो गया। जैसे शेरों से महफ़िल गूँजती रही।

सहकारी सप्ताह का शुभारंभ फहराया गया सहकारी ध्वज

रायपुर। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गौरवशाली 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी पैक्सों व जिलो में 29 जून से 06 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि, की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों को सहकारिता के प्रति जागरूक किया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा भी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा ने सहकारी ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सहकार से समृद्धि के लिए सभी कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाई गई। श्री शर्मा ने बताया कि, सहकारी सप्ताह के दौरान प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान, सहकार दौड़, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं एवं सहकारिता से जुड़े व्यक्तियों के सम्मान सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर की नौटंकी से जनता भ्रमित नहीं होने वाली: शताब्दी पाण्डे

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने अभनपुर में चल रहे कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र और उसमें कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की एंट्री पर तीखा तंज कसा है। श्रीमती पाण्डे ने कहा कि कांग्रेस का यह पूरा प्रशिक्षण शिविर और कुछ नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख किया गया एक नाटक मात्र है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे ने कांग्रेस और पवन खेड़ा पर हमला बोलते हुए सवाल उठाया कि क्या पवन खेड़ा अब छत्तीसगढ़ के कांग्रेस जिला अध्यक्षों को चरित्र हनन की गंदी राजनीति सिखाएंगे? बदजुबानी, बिना किसी सबूत के झूठे दस्तावेजों के सहारे दूसरों का चरित्र हनन करने की राजनीति और फिर संकट आने पर भगोड़ों की तरह आचरण करने की जो मिसाल खेड़ा ने देश के सामने पेश की है, उससे छत्तीसगढ़ कांग्रेस क्या सीखेगी? खेड़ा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की डूबती नाव को और तेजी से डुबोने की सीख के अलावा और दे ही क्या सकते हैं! श्रीमती पाण्डे ने कहा कि 41 जिला अध्यक्षों को रात में गाँवों में ठहराना, मनरेगा मजदूरों के साथ केवल फोटो खिंचवाने के लिए श्रमदान करना कांग्रेस की पुरानी इवेंट मैनेजमेंट संस्कृति का हिस्सा है। 10 दिनों तक जनता के बीच रहने का नाटक करने वाले कांग्रेसी नेताओं ने अपने शासनकाल में कभी छत्तीसगढ़ की जमीनी हकीकत और गरीबों की सुध नहीं ली।

श्रद्धालुओं के साथ विधायक पुरन्दर मिश्रा ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना

रायपुर (विश्व परिवार)। देव स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के गायत्री नगर, शंकर नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य महाअभिषेक एवं स्नानोत्सव श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के जयघोष, भजन-कीर्तन एवं आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम का नेतृत्व जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों के जल से महाअभिषेक कर प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि देव स्नान पूर्णिमा भगवान श्री जगन्नाथ की दिव्य लीलाओं का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ सबको समान दृष्टि से अपनाने वाले लोकदेवता हैं और उनकी कृपा से समाज में प्रेम, भाईचारा एवं सेवा की भावना का विस्तार होता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाअभिषेक के पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा 15 दिनों तक अनवसर में रहेंगे।

रथयात्रा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु गोंदिया-पुरी-गोंदिया के मध्य रथयात्रा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। रथयात्रा के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गोंदियाङ्कपुरीङ्कगोंदिया के मध्य ट्रेन संख्या 08801/08802 रथयात्रा स्पेशल का संचालन चार-चार फेरों के लिए करने का निर्णय लिया गया है। विवरण इस प्रकार है - गाड़ी संख्या 08801 (गोंदियाङ्कपुरी) रथयात्रा स्पेशल दिनांक 02, 09, 16 एवं 29 जुलाई 2026 को गोंदिया से 13.30 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ आगमन 14.30 बजे प्रस्थान 14.32 बजे, राजनांदगांव आगमन 15.00 बजे प्रस्थान 15.02 बजे, दुर्ग आगमन 15.58 बजे प्रस्थान 16.00 बजे, रायपुर आगमन 17.10 बजे प्रस्थान 17.20 बजे, खरियार रोड़ आगमन 19.30 बजे प्रस्थान 19.32 बजे, कंटाबांजी आगमन 20.45 बजे प्रस्थान 20.50 बजे, टिटलागढ आगमन 21.35 बजे प्रस्थान 22.00 बजे, बलांगीर जंक्शन आगमन 22.50 बजे प्रस्थान 22.55 बजे, बरगढ़ रोड़ आगमन 23.55 बजे प्रस्थान 23.57 बजे, संबलपुर जंक्शन 01.10 बजे प्रस्थान 01.20 बजे, अनुगुल आगमन 04.55 बजे प्रस्थान 05.00 बजे, तालचेर रोड़ आगमन 05.15 बजे प्रस्थान 05.17 बजे, ढेंकानाल आगमन 05.55 बजे प्रस्थान 05.57 बजे, कटक आगमन 06.55 बजे प्रस्थान 07.00 बजे, भुवनेश्वर आगमन 08.05 बजे प्रस्थान 08.10 बजे, खुर्दा रोड आगमन 08.45 बजे प्रस्थान 08.55 बजे एवं पुरी 10.00 बजे पहुंचेगी।

अभिनंदनीय व्यक्तित्व डॉक्टर पं. देवेन्द्र कुमार जैन शास्त्री विधानाचार्य कई उपाधि से सम्मानित

केकड़ी (राजस्थान)। अद्भुत प्रतिभा के धनी डॉक्टर पं. देवेन्द्र कुमार जैन शास्त्री उत्तरप्रदेश के ललितपुर-झांसी जिले के नादेल बानपुर ग्राम में वैद्य श्री भरोसेलाल जी व माता श्रीमती छोटी बाई जैन के घर जन्मे। सात भाई-एक बहिन के परिवार में पले-बढ़े शास्त्री जी शुरू से सरल, मधुर वाणी व हँसमुख स्वभाव के हैं। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन जैन धर्म, संस्कृति व साहित्य को समर्पित कर दिया है। शास्त्रों के सिद्धहस्त होने के साथ वे सिद्धान्त ग्रन्थ, स्वाध्याय, तत्वचर्चा व सामाजिक निर्लोभ सेवा के मर्मज्ञ हैं। कुशल पाण्डित्य- उनकी ओजपूर्ण वाणी का श्रोताओं पर जादुई असर होता है। सरल भाषा में तीर्थंकर की अमृतवाणी सुनाकर वे भक्तों को झुमा देते हैं। निश्चयनय-व्यवहारनय का समन्वय उनके प्रवचनों की विशेषता है। श्री मंडल विधान, सहस्त्रनाम महामंडल विधान पंच कल्याणक महोत्सव महा महाआरती में शास्त्री जी श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबा देते हैं। ज्योतिष, योग और वास्तुशास्त्र के ज्ञाता शास्त्री जी मंदिर, घर, दुकान के वास्तुदोष व शारीरिक पीड़ा के दोषों को योग से दूर करने का मार्गदर्शन देते हैं। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र केशवराय पाटन में भारत गौरव परम पूज्य गणिनी आर्यिका गुरु माँ स्वस्तिभूषण माता ससंघ के पावन सानिध्य में जैन विधि-विधान के मर्मज्ञ पं. देवेन्द्र कुमार जैन शास्त्री, केकड़ी को अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद् ने विधानाचार्य की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, केशवराय पाटन में परिषद् अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन द्वारा प्रदान किया गया। उनियारा में समाज उन्हें आध्यात्मिक पाणिनि से भी नवाज चुका है। परिषद् ने प्रमाणित किया कि शास्त्री जी ने विधि-विधान के विभिन्न पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण व 36 वर्षों का अनुभव प्राप्त किया है।

शांतिनाथ जिनालय का द्वितीय वार्षिक उत्सव सानंद संपन्न हुआ

2024 में दिनांक 22 जून से 26 जून तक श्री शांति विद्यानगर में, (न्यू कोर्ट कॉलोनी) परम पूज्य मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न हुए थे ।

जतारा। भाव लिंगी संत आचार्य विमर्श सागर जी महाराज की जन्म नगरी जतारा में श्री शांति विद्यानगर के शांतिनाथ जिनालय का द्वितीय वार्षिक महोत्सव पूर्ण भव्यता से संपन्न किया गया।

भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष एवं जतारा जैन समाज उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि परम पूज्य चर्या शिरोमणि, पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य परम पूज्य प्रशम सागर जी, योग्य सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में शांति विद्यानगर के जिनालय में दो दिवसीय कार्यक्रम पूर्ण भव्यता से संपन्न हुए । दिनांक 27 जून को अभिषेक शांति धारा उपरांत शांति विधान संपन्न हुआ एवं 28 जून को श्री शांतिनाथ जिनालय में विराजमान मूल नायक 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का भव्य महा मस्तकाभिषेक करने का सौभाग्य, सौभाग्यशाली पात्रों को प्राप्त हुआ । मस्तकाभिषेक करने का सौभाग्य क्रमश: इंजीनियर संतोष मोदी, अजित मोदी, सप्तम प्रतिमा धारी हरिश्चंद्र जैन एवं अनिल काशिल्य को प्राप्त हुआ ।

विदित है कि वर्ष 2024 में दिनांक 22 जून से 26 जून तक श्री शांति विद्यानगर में, (न्यू कोर्ट कॉलोनी) परम पूज्य मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न हुए थे । महा मस्तकाभिषेक उपरांत संपूर्ण विश्व की शांति हेतु मुनि श्री प्रशम सागर जी महाराज के मुखारविंद से शांति मंत्रों का वाचन संपन्न हुआ । दोपहर 3:00 से श्री शांतिनाथ जिनालय से श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भव्य शोभायात्रा में मुख्य रूप से जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र जैन टानगा, शांति विद्यानगर जिनालय के अध्यक्ष विजय सगरवारा, धर्मेंद्र जैन, राजेश माते, सुनील माची, बल्लू सगरवारा, मनोज मवई, अरविंद माची, विमर जागृति मंच, अखिल भारतवर्ष महिला परिषद, विद्यासागर सेवा दल, सर्व साधु सेबा दल, जैन समाज की समस्त समितियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

पुनर्वासित युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप

गांवों के विकास में सहभागी बनने किया आह्वान, पुनर्वासित युवाओं की सुनी समस्याएं

सुविधाओं, प्रशिक्षण की ली जानकारी, सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नारायणपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान देर शाम पुनर्वास केंद्र पहुंचकर हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड़े पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। दोनों मंत्रियों ने युवाओं से पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक पुनर्वासित युवक-युवती को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से अपील की कि वे जेल में बंद अपने पूर्व साथियों से मुलाकात कर उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास और शांति का मार्ग ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। उप मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र में संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी ली। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा मोटर वाहन ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में दिखाई जा रही उत्साहपूर्ण भागीदारी की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यह सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। युवाओं से चर्चा के दौरान जब खेतों में सिंचाई के लिए बोर व्यवस्था की आवश्यकता बताई गई, तब उप मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहीदों के परिवारों एवं पुनर्वासित युवाओं का सर्वे कराकर उनके खेतों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे कृषि के माध्यम से स्थायी आजीविका अर्जित कर सकें। विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पेसा अधिनियम को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर के जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से हैं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली भ्रामक और भटकाने वाली सूचनाओं से सावधान रहने का आग्रह करते हुए कहा कि बस्तर का विकास बस्तर के लोगों के सहयोग से ही संभव है। उन्होंने पुनर्वासित युवाओं का आह्वान किया कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहभागी बनें। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर बस्तर के निर्माण और विकास तक आदिवासी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय बस्तर को शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा देने का है। हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लेने वाले युवाओं ने इस परिवर्तन की शुरुआत कर दी है और अब सभी को मिलकर क्षेत्र तथा समाज के समग्र विकास के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर पुलिस जामहानिरीक्षक सुंदरराज पी., कलेक्टर कांकेर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुष्कर्म का आरोपी सक्ती से गिरफ्तार, जेल दाखिल

रायगढ़। अभियान 'संवेदना' के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में महिला थाना रायगढ़ पुलिस ने पीड़िता की लिखित शिकायत पर तत्काल अपराध दर्ज कर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। जानकारी के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़िता ने महिला थाना में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर बताया कि वर्ष 2024 में निजी वित्तीय कंपनी से ऋण लेने के दौरान उसकी पहचान कंपनी में फाइनेंसर के रूप में कार्यरत हितेश कुमार केंवट से हुई थी। हितेश लोन रूपये लेने इसके घर आता जाता था, इस दौरान आरोपी ने विवाह का विश्वास दिलाकर उसके साथ उसके रायगढ़ के किराये मकान संबंध बनाए । माह अप्रैल में युवती को हितेश के किसी अन्य युवती से विवाह तय होने की जानकारी मिली, तब हितेश के घर जाकर उसके घरवालों से बात की, जहां हितेश शादी से इंकार कर दिया। युवती के लिखित आवेदन पर महिला थाना रायगढ़ में तहत धारा 69 भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 3(2)(5) एससीध्एसटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। थाना प्रभारी उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करते हुए तत्काल डीएसपी उन्नति ठाकुर के नेतृत्व में कार्रवाई प्रारंभ की गई। गठित टीम ने सक्ती जिले के डभरा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी हितेश कुमार केवट (26 वर्ष), पिता गौतम प्रसाद केवट, निवासी ग्राम कांसा, थाना डभरा, जिला सक्ती को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई, चिकित्सीय परीक्षण तथा गिरफ्तारी की औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात आरोपी को कल न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

नारायणपुर के नवचयनित अग्निवीरों ने पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया से की मुलाकात

नारायणपुर। नारायणपुर जिले से भारतीय सेना में अग्निवीर योजना के तहत चयनित युवाओं ने जिला पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गुड़िया ने सभी नवचयनित अग्निवीरों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह नारायणपुर जैसे अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि यहाँ के युवा देश की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं।

एसपी ने दिया प्रेरणादायक संदेश

गुड़िया ने अग्निवीरों को संबोधित करते हुए कहा सेना में अनुशासन सर्वोपरि है। आप सभी नारायणपुर जिले के ब्रांड एंबेसडर हैं। आपकी सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। प्रशिक्षण के दौरान पूरी लगन और मेहनत से सीखें। देश की रक्षा के साथ-साथ अपने जिले का नाम भी रोशन करें। श्री गुड़िया ने कहा कि जिला पुलिस हमेशा युवाओं के साथ खड़ी है और उनके करियर निर्माण में हर संभव मदद करेगी।

अग्निवीरों ने जताया आभार

मुलाकात के दौरान अग्निवीरों ने पुलिस अधीक्षक को अपनी चयन प्रक्रिया और आगामी प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। युवाओं ने कहा कि एसपी महोदय से मिलकर उनका हौसला और बढ़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नारायणपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। इस अवसर पर श्री अक्षय साबद्रा आईपीएस , नारायणपुर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े, पत्रकार अनुराग पांडेय उपस्थित थे। भारत सरकार की इस योजना के तहत युवाओं को 4 साल के लिए सशस्त्र बलों में सेवा का अवसर मिलता है। नारायणपुर जिले से इस वर्ष 11 युवाओ राकेश वड्डे (ग्राम मातला), ?मोनू वड्डे (ग्राम आमगांव),?सुकमन वड्डे (ग्राम तालागांव), ?राजेश सलाम (ग्राम कोंगेरा), ?सुनील कुमार उईके (ग्राम कुम्हली) ,?ईश्वर सलाम (ग्राम मलेचुर),रस्सू कोर्राम (ग्राम कोसलनार),मनीराम करंगा (ग्राम भारंडा),?अनिल कोर्राम (ग्राम रेमावंड), ?अखिलेश यादव (ग्राम खैराबट), ?संतू कुमेटी (ग्राम बोरपाल) का चयन हुआ है।

यूरोग्रिप टायर्स ने किया यूरोपीय विशेषज्ञता का प्रदर्शन, भारतीय व्यापार जगत को होगा विशेष लाभ

रायपुरः यूरोग्रिप टायर्स, TVS श्रीचक्र लिमिटेड की एक प्रमुख 2 और 3-व्हीलर टायर ब्रांड, ने रायपुर में एक व्यापार जुड़ाव कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में ब्रांड की यूरोपियन इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और यूरोप से प्रेरित नवीनतम उत्पाद रेंज का प्रदर्शन किया गया। इस सत्र का संचालन करते हुए, सिल्वियो मोंटानारी, डिज़ाइन हेड एवं R&D, मिलान ने कंपनी के उत्पाद विकास दर्शन, उभरती टायर टेक्नोलॉजियों और इंजीनियरिंग क्षमताओं के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं, जो यूरोग्रिप के ग्लोबल टायर पोर्टफोलियो का एक एहम हिस्सा हैं। व्यापार साझेदारों को अगली पीढ़ी के टायरों के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान की गई जो आने वाले भविष्य को आकार देने के साथ-साथ बाज़ार में चालकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा भी करेगा। इस अवसर पर यूरोग्रिप टायर्स के चीफऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) श्री टी.के. रवि ने कहा, आज यूरोग्रिप विश्व भर में टू-व्हीलर टायरों के एक विशेष ब्रांड के रूप में पहचाना जाता है, साथ ही भारत और विदेशों के बाइकिंग समुदायों में हमारी प्रीमियम रेंज के टायरों को काफी पसंद किया गया है। हमें गर्व है कि हम अपनी मिलान टीम को भारत लाए और भारत के ग्राहकों को अपने उत्पादों के पीछे की इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी से रूबरू करवा सके। इस सहयोग से हमारे व्यापार साझेदारों को न केवल नवीनतम टायर टेक्नोलॉजी बल्कि बाज़ार रुझानों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल पाई है, जिससे वे अपने ग्राहकों और चालकों को बेहतर सेवा प्रदान कर पाएंगे। इस पहल के ज़रिए हम भारतीय बाज़ार में अपनी यूरोपीय-बेंचमार्क्ड उत्पादों को व्यापक रूप से उतारने का प्रयास कर रहे हैं। यूरोग्रिप पूरे देश में अपने वितरण और रिटेल नेटवर्क का तेज़ी से विस्तार कर रहा है और ग्राहकों को रेडियल, एडवेंचर, टूरिंग और कम्यूट वर्ग में कई तरह के उत्पाद उपलब्ध करा रहा है।

ओम रूपेश कंपनी की बाउंड्रीवाल तोड़ी गई जांच में अतिक्रमण व गंदे पानी की निकासी मिली

रायगढ़। रायगढ़ के चिराईपानी क्षेत्र में ओम रूपेश कंपनी के लेबर क्वार्टर पर दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई थी। घटना के बाद ओम रूपेश कंपनी की कई शिकायते सामने आई। जहां प्रशासिनक अमला ने मौके पर पहुंचकर जांच किया तो शिकायत को सही पाई गई। जिसके बाद यहां अतिक्रमण किए गए बाउंड्रीवाल को तोड़ा गया। घटना 18 जून को घटित हुई। जिसके बाद जांच के लिए 20 जून को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। यहां पंचनामा तैयार किया गया, जिसमें बताया गया कि स्थल जांच में पाया गया की अनावेदक शंकर लाल अग्रवाल के द्वारा सड़क मद की शासकीय भूमि पर 2 फीट चौड़ी कंक्रीट नाली निर्माणधीन है। साथ ही सड़क के किनारे से कच्ची नाली दीवार से लगकर गंदे पानी को छोड़ा जा रहा है। पास में क्रेशर संचालित है जिसमें स्लेग चुरा का भंडारण किया गया है और दबाव से दीवार के ढह जाने की आशंका ग्रामीणों को बनी हुई है। जांच में यह भी पाया गया की भूमि स्वामी मामता जायसवाल की भूमि पर शंकर लाल अग्रवाल के द्वारा अहाता निर्माण किया गया है ऐसे में आज तहसीलदार समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और यहां अतिक्रमण किए गए बांउड्रीवाल को तोड़ा गया। साथ ही आगे की प्रक्रिया की जा रही है। तलाब-रास्ते में भी कब्जा किया भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य गोपाल अग्रवाल ने बताया कि घटना के बाद ओम रूपेश कंपनी की शिकायत की गई थी। कंपनी के द्वारा फॉरेस्ट का जमीन, तालाब और रास्ते में कब्जा किया गया है।शिकायत को सही पाए जाने के बाद तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत राजस्व आज आया था।

कलर्स प्रस्तुत करता है 'जूही मुई' : ऑटिज़्म औरस्वीकार्यता की प्रेरणादायक कहानी

मुंबईः कहते हैं, हर दिमाग़ अपनी तरह से चमकता है। ऐसेसमय में जब समाज व्यक्तिगतता का जश्न मनाता है लेकिन उसे समझने मेंअक्सर संघर्ष करता है, कलर्स लेकर आ रहा है 'जूही मुई' एक दिल छू लेनेवाली कहानी एक युवा ऑटिस्टिक लड़की की, जो ऐसे संसार में जी रही है जोउसे लगातार कम आंकता है। कहानी के केंद्र में है जूही सूरी एक तेज़ औरउज्ज्वल युवती, जिसकी दुनिया को देखने का अनोखा तरीका उसकी सबसेबड़ी ताक़त भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। असाधारण याददाश्त और पैनीसोच से लैस जूही के पास ऐसी क्षमताएँ हैं जो उसे दूसरों से अलग बनाती हैं। लेकिन अपनी प्रतिभा के बावजूद, जूही अक्सर इस वजह से आंकी जाती है कि वह अलग है और समाज की संकीर्ण परिभाषा के हिसाब से 'नॉर्मल' नहींमानी जाती। कानून के चेंबर के अनुशासन में अपने भाई करण के साथ पलीबढ़ी जुही नेबचपन से ही अपने स्नेही पिता राजेंद्र सूरी को देखा, जो एक सम्मानित वकीलहैं और अपनी खुद की प्रैक्टिस चलाते हैं। वह रोज़ाना जिस दुनिया से लड़ते हैं, उससे जुही को बचाकर रखते हैं। जुही का दिमाग़ कानून के लिए ही बना है उसेधाराएँ शब्दशः याद रहती हैं।

सर्जिकल रोबोटिक्स में भारत का डंका, एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल को मिला प्रतिष्ठित आउटस्टैंडिंग कंपनी सम्मान

भारत के मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल को सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी) इंडस्ट्री अवार्ड्स 2026 में ÷आउटस्टैंडिंग कंपनी÷ सम्मान से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार पाने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि कंपनी का चयन सर्जिकल रोबोटिक्स और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र की दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनियों– इंट्यूइटिव, मेडट्रॉनिक, जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक, डिस्टलमोशन, मेरिल, माइक्रोपोर्ट, थिंक सर्जिकल, फ्यूटेक और प्रिसिजन आईओ ग्रुप–के बीच से किया गया। इस सम्मान ने वैश्विक सर्जिकल रोबोटिक्स उद्योग में एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल की मजबूत और अग्रणी उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है। अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुके सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी) इंडस्ट्री अवार्ड्स को सर्जिकल रोबोटिक्स क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मानों में गिना जाता है। इन पुरस्कारों का आयोजन सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी), जो सर्जिकल रोबोटिक्स इकोसिस्टम पर केंद्रित दुनिया का प्रमुख समाचार एवं इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म है, द्वारा क्यूएनएक्स के सहयोग से किया जाता है। ये पुरस्कार उन संस्थानों, तकनीकों और उद्योग जगत के नेताओं को सम्मानित करते हैं जिन्होंने रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी के क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रगति की है। यह सम्मान नवाचार, क्लीनिकल प्रभाव, तकनीकी नेतृत्व और व्यावसायिक उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया जाता है। एसआरटी इंडस्ट्री अवार्ड्स के विजेताओं में सर्जिकल रोबोटिक्स के भविष्य को दिशा देने वाले कई प्रमुख नाम शामिल रहे। स्टीव बेल को इंडस्ट्री लीडरशिप अवार्ड, माइक्रोबॉट मेडिकल को इनोवेटिव स्टार्ट-अप अवार्ड, सेंटेंटे को उसके सेंटेंट रोबोटिक सिस्टम के लिए ग्राउंडब्रेकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड, मून सर्जिकल को मेस्ट्रो इनसाइट्स के लिए सॉफ्टवेयर इनोवेशन अवार्ड और डॉ. ब्रायन कोहेन (कोहेन ऑर्थोपेडिक) को आउटस्टैंडिंग हेल्थकेयर प्रोवाइडर अवार्ड प्रदान किया गया। इन सभी प्रतिष्ठित विजेताओं के बीच एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल ने सबसे प्रतिष्ठित आउटस्टैंडिंग कंपनी का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, ÷ एसआरटी इंडस्ट्री अवार्ड्स में आउटस्टैंडिंग कंपनी पुरस्कार जीतना एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल और पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है। यह सम्मान विश्वस्तरीय, नवोन्मेषी, सुलभ और किफायती सर्जिकल रोबोटिक तकनीक विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह उपलब्धि हमें अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से सर्जिकल देखभाल में बदलाव लाने और दुनिया भर में रोबोटिक सर्जरी की पहुंच बढ़ाने के अपने मिशन को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। पिछले कुछ वर्षों में एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल ने अपने प्रमुख एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से सर्जिकल रोबोटिक्स क्षेत्र में दुनिया की सबसे तेज़ी से उभरती कंपनियों में अपनी पहचान बनाई है।

ताला लगे अस्पताल के बाहर गूंजी नवजात की पहली किलकारी

सोनाबाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव पीड़िता को बंद मिला गेट, बरामदे में हुआ प्रसव; परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, विभाग ने नोटिस की कही बात

कोण्डागांव। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल में रात स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई। प्रसव पीड़ा से तड़प रही गर्भवती महिला को परिजन सुरक्षित प्रसव की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन मुख्य गेट पर ताला लटका मिला। अस्पताल परिसर में तत्काल कोई स्वास्थ्यकर्मी नहीं मिला। ऐसे में महिला ने अस्पताल के बरामदे में ही नवजात बालक को जन्म दे दिया। जिस अस्पताल में मां और बच्चे की सुरक्षित डिलीवरी होनी थी, उसी अस्पताल के बाहर नवजात की पहली किलकारी गूंजी। जानकारी के अनुसार, मोहलई गांव निवासी शांति कश्यप (27), पति अंगद राम कश्यप को शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन उन्हें वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल लेकर पहुंचे। रात करीब 9:25 से 9:30 बजे अस्पताल पहुंचने पर मुख्य गेट बंद मिला और उस पर ताला लगा था। परिजनों का आरोप है कि काफी देर तक ड्यूटी स्टाफ की तलाश की गई, लेकिन कोई उपलब्ध नहीं मिला। इसी दौरान अस्पताल के बरामदे में ही प्रसव हो गया और महिला ने करीब 3 किलो वजन के स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। प्रसव के बाद परिजनों को बाजार से ब्लेड सहित आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करनी पड़ी। शांति कश्यप पहले से दो बच्चों–लम्बोदर (8 वर्ष) और उर्मिला (4 वर्ष)–की मां हैं। नवजात पुत्र के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है, लेकिन अस्पताल की व्यवस्था को लेकर परिजनों में नाराजगी भी है। घटना के समय महिला के साथ पति अंगद राम कश्यप के अलावा ननद नीलबती सोढ़ी, माता लछन दई सोढ़ी, बड़ी मां दयमति सोढ़ी, मितानिन फूल दई सोढ़ी मौजूद थीं। वहीं सहयोगी सखा बघेल ने बताया कि प्रसव के बाद अस्पताल के मुख्य गेट के सामने खून और अन्य तरल पदार्थ फैल गए थे, जिन्हें उन्होंने स्वयं पानी डालकर साफ किया। महिला के पति अंगद राम कश्यप, निवासी कुंगारपाल (जिला बस्तर), ने बताया कि पत्नी को सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल लेकर आए थे, लेकिन गेट पर ताला लगा मिला और अस्पताल के बाहर ही बच्चे का जन्म हो गया। वहीं महिला के मामा सकाराम बघेल ने बताया कि सूचना मिलने पर वे वाहन लेकर मोहलई पहुंचे और अस्पताल लाए। उनका आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर मुख्य गेट बंद था और स्टाफ अपने क्वार्टर में भी नहीं मिला। घटना के करीब 20 मिनट बाद स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी पहुंचा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अस्पताल के बाहर प्रसव होने और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप दिखाई दे रहे हैं।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बोले- कर्मचारियों को जारी होगा नोटिस

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. सिंह, जिन्हें वर्तमान में जिला अस्पताल में अटैच किया गया है, ने बताया कि स्टाफ नर्स प्रतिभा नागवंशी मातृत्व अवकाश पर हैं, जबकि माहेश्वरी नेताम फ रवरी से शैक्षणिक अवकाश पर हैं। उनके अवकाश पर जाने के बाद हिरमती साहू को अस्पताल में अटैच किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी ली जा रही है तथा संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने आरोपों से किया इनकार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल में पदस्थ द्वितीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता हिरमती साहू ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही वे तत्काल अस्पताल पहुंच गई थीं। उनके अनुसार अस्पताल का गार्ड कहीं गया हुआ था, इसलिए गेट पर ताला लगा था। उन्होंने कहा कि महिला का प्रसव वाहन से उतरते समय ही हो गया था। गर्भनाल उन्होंने स्वयं काटी और तत्काल मां व नवजात को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने भिलाई इस्पात संयंत्र में 'सुरक्षा-2026' आयोजित

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'सुरक्षा-2026' प्रतियोगिता, 47 सेफ्टी सर्किल टीमों ने प्रस्तुत किए नवाचार

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य संस्कृति, नवाचार और सतत सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिता 'सुरक्षा-2026' का आयोजन 27 एवं 29 जून 2026 को मानव संसाधन विकास विभाग के सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में संयंत्र के विभिन्न विभागों की 47 सेफ्टी सर्किल टीमों ने कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े अपने नवाचारी समाधान और केस स्टडी प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मार्केटिंग एंड यूटिलिटीज) बी. के. बेहरा ने किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। दुर्घटनारहित एवं सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण के लिए नवाचार आधारित प्रयासों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद अजय टल्लू ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। स्वागत उद्बोधन में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) डी. सत्पथी ने भिलाई इस्पात संयंत्र में एकीकृत सेफ्टी सर्किल गतिविधियों की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में 35 टीमों से शुरू हुई यह पहल वर्ष 2025 में बढ़कर 83 टीमों तक पहुंच गई। वहीं, 'सुरक्षा-2026' के लिए कुल 47 केस स्टडी प्राप्त हुईं, जो संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति के प्रति कर्मचारियों की बढ़ती प्रतिबद्धता और सहभागिता को दर्शाती हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का मूल्यांकन तीन चरणों में किया जाएगा।प्रतियोगिता के पहले दिन 20 सेफ्टी सर्किल टीमों ने चार मूल्यांकन पैनलों के समक्ष अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। प्रत्येक पैनल में दो विशेषज्ञ निर्णायक शामिल थे। प्रस्तुतियों में कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटनाओं की आशंका कम करने तथा सुरक्षित कार्य प्रणालियों को और प्रभावी बनाने के लिए विकसित नवाचारी उपायों का प्रदर्शन किया गया। दूसरे दिन 27 टीमों ने अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। दोनों दिनों में कुल 47 केस स्टडी का मूल्यांकन किया गया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन उच्च स्तरीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिताओं में भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) डी. सत्पथी, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, निर्णायक, मेंटर, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सेफ्टी सर्किल टीमों के सदस्य उपस्थित रहे।

डीजीटी की डाटा ड्रिवेन ग्रेडिंग में एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी ने स्कोर किया 5-स्टार रेटिंग

भांसी। एनएमडीसी डीएवी आईटीआई, भांसी ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम करते हुए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय (ष्ठत्रञ्ज) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डाटा ड्रिवेन ग्रेडिंग मेथडोलॉजी (ष्ठष्ठत्ररू) के अंतर्गत प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग प्राप्त की है।

डाटा ड्रिवेन ग्रेडिंग मेथडोलॉजी एक पारदर्शी एवं तकनीक आधारित मूल्यांकन प्रणाली है, जिसमें आईटीआई का मूल्यांकन डीजीटी के एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। इसमें प्रवेश प्रतिशत, प्रशिक्षुओं का प्लेसमेंट, परीक्षा परिणाम, छात्राओं की भागीदारी, ट्रेड विविधता, सीबीटी परीक्षा में सहभागिता तथा प्रशिक्षुओं के औसत अंक जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों का आकलन किया जाता है। 5-स्टार रेटिंग संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रभावी प्रशिक्षण व्यवस्था, बेहतर परीक्षा परिणाम, उद्योगों से मजबूत जुड़ाव तथा प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास का प्रमाण है।

इस उपलब्धि का श्रेय एनएमडीसी के सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन, संस्थान के प्राचार्य,समस्त प्रशिक्षण अधिकारियों, कर्मचारियों तथा प्रशिक्षुओं के सामूहिक प्रयास और समर्पण को जाता है। संस्थान ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एनएमडीसी बचेली के परियोजना प्रमुख श्री श्रीधर कोडली ने संस्था के समस्त स्टाफ और छात्रों को बधाई दी है। संस्था के प्राचार्य ने भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर देश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी पहुंचा कैट का व्यापारी संवाद अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, महामंत्री श्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर।

व्यापारियों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझने, बाजारों की आवश्यकताओं को जानने तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित "CAIT व्यापारी संवाद" अभियान के अंतर्गत आज प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी ने डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर बाजार की समस्याओं एवं विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

क्रीड़ा भारती द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में ग्यारह स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

- स्वस्थ एवं विकसित भारत का लिया संकल्प

कवर्धा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्रीड़ा भारती द्वारा जिले के ग्यारह स्थानों में स्वस्थ भारत की भावना के साथ सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। कार्यक्रमों में क्रीड़ा भारती के कार्यकर्ताओं के साथ साथ युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

कवर्धा जिले में सुधा वाटिका, कैलाश नगर, कचहरी पारा, श्री राम जिम, विवेकानन्द क्रीड़ा केंद्र बोड़ला सहित ग्यारह विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया।

क्रीड़ा भारती के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य जसविंदर बग्गा ने बताया कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिलने के बाद योग एक वैश्विक जनआंदोलन बन चुका है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है।

राजेश मूणत दिखावे की राजनीति करते हैं: विकास उपाध्याय

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने कहा कि रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत दिखावे की राजनीति करते हैं, इसीलिये मनुष्य जीवन के लिये सबसे जरूरी स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर वह कभी गंभीर नहीं दिखे। बड़ी बिल्डिंग, सड़क चैड़ीकरण, तोड़-फोड़ की राजनीति कर सुर्खियों और विज्ञापनों के जरिये जनता के बीच बने रहना चाहते हैं। उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल को ढाई साल से भी अधिक हो गये लेकिन इन ढाई वर्षों में पश्चिम विधानसभा में हमर अस्पताल, हमर क्लिनीक की बिल्डिंगें बनकर तैयार पड़ी हैं वह खण्डहर का रूप लेते जा रही है लेकिन उन कार्यों पर पूर्व मंत्री जी की नजर नहीं जा रही है क्योंकि यह निर्माण पूर्व विधायक एवं कांग्रेस सरकार की देन है। इसीलिये दुर्भावना से ग्रस्त होकर इनके निर्माण को पूरा होने नहीं दिया जा रहा है और जो निर्माण हो गये हैं उनका संचालन नहीं होने दिया जा रहा है। उपाध्याय ने कहा कि रायपुर पश्चिम सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ में साय सरकार का रवैया स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है जिस तरह रायपुर शहर के 100 बिस्तर अस्पताल गुढ़ियारी, प्राथ. स्वास्थ्य केन्द्र खोखोपारा, भाठागांव, भनपुरी, लाभांडी, मोवा, राजातालाब, मठपुरैना, चंगोराभाठा, बोरियाकला, आमासिवनी कचना, गोगांव, देवपुरी, रामनगर, हीरापुर, काशीराम नगर, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर।

वीरांगना रानी दुर्गावती 462 वाँ बलिदान दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। ग्राम मलपुरी में 28 जून 2026 को ध्रुव गोंड़ समाज के द्वारा उनके बलिदान को याद किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री कमलेश ध्रुव अध्यक्ष केन्द्रीय धुव गोंड़ महासभा धमधागढ़, अध्यक्षता श्रीमति संगीता सोरी जी अध्यक्ष महिला प्रभाग धमधागढ़, विशिष्ट अतिथि में श्रीमती सुशीला नेताम महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष गोंड़ समाज, राहुल नेताम युवा प्रभाग सचिव धमधागढ़, भागबलि ध्रुव खल्लारी महासभा अध्यक्ष, पुनाराम मंडावी प्रवक्ता खल्लारी महासभा, अध्यक्ष प्रहलाद उईके, उपाध्यक्ष टहल सिंह सोरी, सचिव इन्द्रजीत नेताम, उपसचिव संजय सोरी, कोषाध्यक्ष शिव कुमार शेवता, संरक्षक नारायण कोडप्पा एवं सैकड़ो की संख्या में सामाजिकगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप्प के खिलाफ राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, अविभाजित मध्य प्रदेश (अब छत्तीसगढ़) के अंतर्गत दुर्ग जिले से दो बार विधायक रहे, दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से कुल चार बार लगातार सांसद निर्वाचित हुए, भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री, स्व. ताराचंद साहू द्वारा बनाए छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच ने छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल को महादेव सट्टा एवं अन्य आनलाइन सट्टा बैटिंग ऐप को बंद करवाने ज्ञापन प्रेषित किया, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के केंद्रीय अध्यक्ष पूरनलाल साहू ने कहा कि महादेव बैटिंग ऐप एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी (Betting) प्लेटफॉर्म है। इसके जरिए क्रिकेट, टेनिस, पोकर और ताश के खेलों पर गैर-कानूनी तरीके से पैसों का दांव लगाया जाता है। यह एक बड़ा मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला है। इसे 2018 में सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल द्वारा शुरू किया गया था, जो मूल रूप से छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे और दुबई से इसका संचालन कर रहे थे।

यह प्लेटफॉर्म शुरुआत में लोगों को छोटी जीत का लालच देकर फंसाता है बाद में बड़ी रकम लगाने पर यूज़र्स अपने पैसे हार जाते हैं और कंपनी भारी मुनाफे में रहती है, इस ऐप के जरिए रोजाना करीब 200 करोड. एवं मासिक 6,000 करोड़ से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग का अनुमान है, जांच एजेंसियों जैसे (ED) ने पाया कि हवाला के जरिए पैसों का हेराफेरी किया गया।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने नन्हे बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत रविवार को जिला चिकित्सालय, पंडरी, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पुरन्दर मिश्रा ने नन्हे बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश एवं देश के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 5 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि भारत को पूर्णत: पोलियो मुक्त बनाए रखने का संकल्प और अधिक मजबूत हो सके।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा केवल जागरूकता और समय पर टीकाकरण से ही संभव है। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वस्थ भविष्य ही विकसित भारत की मजबूत नींव है।

उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अभियान के दौरान अपने आसपास के प्रत्येक 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों एवं अभियान से जुड़े सभी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही यह जनस्वास्थ्य अभियान सफल हो रहा है।

हटिया-एलटीटी-हटिया के मध्य चल रही समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा हटिया-एलटीटी-हटिया के मध्य 08609/08610 हटिया-एलटीटी-हटिया साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन 01 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है 7 यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुये इस गाड़ी के परिचालन का विस्तार 15 जुलाई 2026 तक किया गया है। परिचालन में विस्तार होने के बाद गाड़ी संख्या 08609 हटिया-एलटीटी समर स्पेशल ट्रेन, हटिया से एलटीटी के लिये प्रत्येक सोमवार को 13 जुलाई 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08610 एलटीटी-हटिया समर स्पेशल ट्रेन, एलटीटी से हटिया के लिए प्रत्येक बुधवार को 15 जुलाई 2026 तक चलेगी।

साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की मासिक गोष्ठी वृंदावन हॉल में संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की मासिक गोष्ठी वृंदावन हॉल में सुनिता विनय वर्मा द्वारा आयोजित की गई जिसका संचालन अध्यक्ष चंद्रकांता अग्रवाल जी ने किया। इस गोष्ठी में श्रीमती मंजुला हर्ष जी की परिकल्पना लघु कथा संग्रह *पंखुड़ियां* का विमोचन किया जाना निश्चित था कार्यक्रम की शुरुआत सचिव मीना शर्मा जी द्वारा की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री गिरीश पंकज एवं सुरेंद्र रावल जी, लतिका भावे जी, प्रदीप यदु जी, चितरंजन कर जी, चंद्रकांता अग्रवाल, मंजू यदु, किरण को मंच पर आमंत्रित किया गया।

मंचस्थ विद्वानों द्वारा मां सरस्वती व स्व शांति यदु के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। श्वेता श्रीवास्तव ने मधुर स्वरों में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

श्वेता और पूजा श्रीवास्तव द्वारा पुष्प गुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस माह कोमल प्रसाद राठौर का जन्मदिन था, विनय वर्मा व सुनिता वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी । लघु कथा संग्रह पंखुड़ियाँ का विमोचन श्री गिरीश पंकज जी के कर कमलों द्वारा किया गया। सह सचिव ईरा पंत ने विगत माह की गोष्ठी का प्रतिवेदन पठन किया।

मंचस्थ विद्वतजन गिरिश पंकज, डॉ चितरंजन कर, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, लतिका भावे, मंजु यदु, चंद्र कांता अग्रवाल किरण वैद्य, मीता अग्रवाल, श्वेता श्रीवास्तव, किताब की सटीक समीक्षा कर बधाइयां प्रेषित की गई गिरीश पंकज, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, चंद्र कला त्रिपाठी, चंद्र कांता अग्रवाल, मंजु यदु, डॉ चितरंजन कर, सुरेंद्र रावल,को शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। लतिका जी ने श्वेता और पूजा का अपने हाथों से गूंथी हुई माला से सम्मान किया ।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने नशा मुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण को बढ़ावा देने हेतु 'नशा मुक्त भारत अभियान' में की सहभागिता

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक

मुंबई। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान-विकसित भारत की पहचान थीम के तहत दिनांक 17 जून से 26 जून, 2026 तक चलाए गए राष्ट्रव्यापी 'नशा मुक्त भारत सप्ताह' अभियान में सक्रिय सहभागिता की। यह अभियान अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरोध में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता का प्रसार करना तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु किए जा रहे सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।

इस पहल के तहत, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं शाखा नेटवर्क सहित अपने डिजिटल एवं भौतिक संपर्क माध्यमों द्वारा अभियान के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। अभियान से संबंधित क्रिएटिव एवं जागरूकता बैनर शाखाओं में प्रदर्शित किए गए ताकि अभियान का अधिकतम प्रचार-प्रसार किया जा सके तथा जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया जा सके। बैंक ने स्वस्थ एवं नशा मुक्त जीवन शैली के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा एक प्रगतिशील एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण के दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करने हेतु अपने व्यापक ग्राहक एवं हितधारक नेटवर्क का उपयोग किया। इस सहभागिता के माध्यम से, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने समुदायों के कल्याण में योगदान देने वाली सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण संबंधी पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
संशोधन पत्र
COM/FRT/G/R-SGBB-COAL/E-auction/ 26/03/1015/E-2525902, Dt. 26.06.2026
क्र. 1: पूर्व निर्धारित नीलामी की तिथि एवं समयः दिनांक- 10.07.2026 को 11.00 बजे। नई नीलामी तिथि एवं समयः दिनांक- 13.07.2026 को 11.00 बजे।
सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।
सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक (G)
पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/117 द.पू.म.रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किसान की मौत

कवर्धा (विश्व परिवार)। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, बारिश से बचने के लिए किसान आम के पेड़ के नीचे खड़ा हुआ था, तभी अचानक बिजली गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 46 वर्षीय रामजी पटेल पिता फेरू पटेल निवासी ग्राम पंचायत रौचन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि, रामजी पटेल अपने खेत की ओर जा रहे थे।

सम्मेलन में 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री पहली बार एक साथ, एक मंच पर जुटे

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में 'विकसित ग्राम विकसित भारत' का साझा रोडमैप

- विकसित भारत का रास्ता विकसित गाँवों से होकर जाता है- शिवराज सिंह चौहान

नईदिल्ली। नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के दूसरे दिन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से आए 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ व्यापक मंथन किया। सम्मेलन में न केवल योजनाओं की समीक्षा हुई, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विकसित ग्रामङ्कविकसित भारत के विजन को जमीन पर उतारने के लिए ठोस रणनीतियाँ भी सामने आईं। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गाँव केवल धूल-मिट्टी या चौपाल का नाम नहीं, गाँव भारत की शक्ति, भारत की चेतना और भारत की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें समृद्ध और विकसित भारत बनाना है तो गाँव को समृद्ध और विकसित बनाए बिना काम नहीं चलेगा, गाँव की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है।

पहली बार एक मंच पर देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नीति-निर्माता एक साथ जुटे। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सहकारी संघवाद का जीवंत उदाहरण रहा, जहाँ राजनीतिक भिन्नताओं से ऊपर उठकर विकास पर फोकस किया गया।

विकसित भारत के लिए विकसित गाँव का विजन

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गाँव आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और बुनियादी सुविधाओं से संपन्न बनेंगे। उन्होंने गाँव को भारत की आत्मा, शक्ति और चेतना बताते हुए कहा कि ग्रामीण विकास ही राष्ट्रीय विकास की धुरी है।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने घोषणा की कि 1 जुलाई से विकसित भारत- जी राम जी योजना देशभर में लागू होगी जो मनरेगा की जगह लेगी। इसके लिए ?95,682 करोड़ की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है।

शालू जिन्दल को सीएसआर विजनरी लीडर ऑफ द ईयर का सम्मान

नई दिल्ली। जिन्दल फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती शालू जिन्दल को सामाजिक विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और अनुकरणीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित सीएसआर विजनरी लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान नई दिल्ली के एयरोसिटी स्थित होटल प्राइड प्लाजा में द ब्रेनालिटिक्स द्वारा हाल ही में आयोजित 7वें भारत सीएसआर एंड सस्टेनेबिलिटी समिट एंड अवार्ड्स 2026 में प्रदान किया गया।

यह सम्मान देश भर में विभिन्न समुदायों का जीवन स्तर सुधारने और उनके कल्याण के लिए जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से श्रीमती शालू जिन्दल द्वारा किये गए दूरदर्शी और समर्पित प्रयासों की कड़ी में मील का एक पत्थर है। उनके कुशल मार्गदर्शन में फाउंडेशन ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, आजीविका, जल और स्वच्छता, ग्रामीण बुनियादी ढांचे, पर्यावरणीय विकास, कला व संस्कृति और सामाजिक उत्थान जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई है।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती शालू जिन्दल ने इस अवार्ड को फाउंडेशन की सेवा यात्रा से जुड़े सहयोगियों, साझेदारों और टीम के सामूहिक प्रयासों और उनके समर्पण का सम्मान बताया, जो सामाजिक उत्थान के पवित्र प्रयासों में निरंतर योगदान कर रहे हैं। जिन्दल स्टील की सामाजिक सेवा शाखा जिन्दल फाउंडेशन देशभर में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और समाज में समान अवसरों व खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, आजीविका, जल और स्वच्छता, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यावरण संरक्षण, खेल तथा कला एवं संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

रायपुर में केटीयूजेएम एलुमनी एसोसिएशन की प्रथम वार्षिक आम सभा संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन (KTUJMAA) की प्रथम वार्षिक आम सभा का आयोजन रविवार को श्री नारायण गुरु मंदिर परिसर में संपन्न हुई। केटीयूजेएम एलुमनी एसोसिएशन का गठन 8 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ सोसायटी पंजीयन अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण संख्या 122202569771 के साथ किया गया था। एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को एक साझा मंच पर लाकर उनके बीच व्यावसायिक नेटवर्किंग, शैक्षणिक सहयोग तथा विश्वविद्यालय के संस्थागत विकास को सुदृढ़ करना है। वर्तमान में एसोसिएशन की आम सभा में 147 पंजीकृत सदस्य शामिल हैं।बैठक में एसोसिएशन के बाई लॉ, धारा-27 के अंतर्गत संस्थापक पदाधिकारियों के कार्यकाल, एलुमनी एसोसिएशन की भूमिका एवं कार्यक्षेत्र, वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित कार्यक्रम कैलेंडर, नए सदस्यों के पंजीकरण एवं वर्तमान सदस्यों की सदस्यता नवीनीकरण प्रक्रिया, वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक आय-व्यय विवरण तथा एसोसिएशन के सुचारु संचालन हेतु विभिन्न समितियों के गठन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए गये।

बैठक के दौरान सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए एलुमनी नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाने, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देने तथा भविष्य में विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के हित में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने बच्चो को कॉपी, पुस्तक, पेन भेंट कर मनाया जन्मदिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी शंकर नगर मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष श्री राम प्रजापति जी के नेतृत्व में रायपुर नगर निगम के सभापति आदरणीय श्री सूर्यकांत राठौर जी का जन्मदिन छोटे बच्चों के बीच अत्यंत आत्मीय एवं स्नेहपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर बच्चों को कॉपी,पुस्तक, पेन ,एवं चॉकलेट वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ खुशियाँ साझा करना तथा सेवा और संवेदनशीलता का संदेश देना था।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आईटी सेल प्रदेश संयोजक श्री सुनील पिल्लई जी, शंकर नगर वार्ड पार्षद श्री राजेश गुप्ता जी, मंडल महामंत्री सुधीर चौबे जी,प्रदेश अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी श्री नरेन्द्र निर्मलकर जी, मंडल उपाध्यक्ष श्री प्रकाश सिन्हा जी, मंडल मंत्री श्री शम्भू लववंशी जी, श्री राम तांडी जी, श्रीमती लता जगत जी, श्रीमती साधना चक्रवर्ती जी, श्री सूरज यादव जी एवं श्री अजय गुप्ता जी,नितिन श्रीवास्तव जी,हरीश अग्रवाल जी, ? अग्रवाल जी,अनिल अग्रवाल जी, हर्षवर्धन अग्रवाल जी, की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। सभी ने श्री सूर्यकांत राठौर जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी सार्वजनिक जीवन की मंगलकामना की।

यात्री सुविधाओं के अच्छे कार्यों के लिए किया गया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल के रायपुर स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य एवं छतीसगढ चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के यात्री सुविधाओं के अच्छे कार्यों के लिए सम्मानित किया। रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी ने वाणिज्य विभाग में रहते हुए निरंतर 02 वर्षों से अधिक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के यात्रियों की सेवा करते हुए रायपुर रेलवे स्टेशन पर हर कार्य में नई सफलता हासिल की इनका एक ही उद्देश्य रहा, कि रायपुर रेलवे स्टेशन पर संपूर्ण सुविधा यात्रियों को निर्बाध मिले।

एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी के 31 प्रशिक्षार्थियों का ओमेगा सेकी मोबिलिटी प्रा.लि. में हुआ चयन

भांसी। एनएमडीसी डीएवी आईटीआई, भांसी में ओमेगा सेकी मोबिलिटी प्रा. लिमिटेड,चाकण, पुणे द्वारा वर्चुअल कैंपस ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर (एचआर) रबीन्द्र मोहंती द्वारा कंपनी का विस्तृत प्रेजेंटेशन देकर की गई। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, करियर ग्रोथ, कार्य संस्कृति, वेतनमान एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी दी।

इसके पश्चात संस्थान के सभी अंतिम वर्ष के प्रशिक्षार्थियों का ऑनलाइन टेस्ट आयोजित किया गया। ऑनलाइन टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों का कंपनी द्वारा वर्चुअल इंटरव्यू लिया गया। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कुल 31 प्रशिक्षार्थियों का चयन Omega Seiki Mobility Pvt. Ltd. के लिए किया गया।

इस उपलब्धि पर एनएमडीसी बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स के परियोजना प्रमुख श्री श्रीधर कोडाली ने चयनित प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि एनएमडीसी का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें देश की अग्रणी कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

जामुन की गुठली ने युवक की सांस की नली की राह रोकी

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने इमरजेंसी ब्रोंकोस्कोपी से बचाई जान

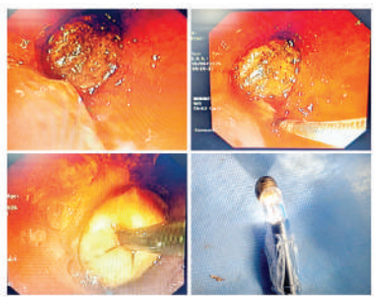

रायपुर (विश्व परिवार)। जामुन खाते समय उसकी गुठली गलती से सांस की नली में चली जाने के कारण 26 वर्षीय एक युवक की जान पर बन आई। गुठली उसके बाएं मुख्य ब्रोंकस (लेफ्ट मेन ब्रोंकस) में फंस गई, जिससे बाएं फेफड़े तक हवा का प्रवाह पूरी तरह बंद हो गया। गंभीर स्थिति में उसे रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी कर गुठली को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचा ली। फल खाते समय युवक को अचानक तेज खांसी, सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार श्वसन संबंधी परेशानी होने लगी। उसे तत्काल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग लाया गया। विस्तृत जांच में पता चला कि जामुन की गुठली बाएं मुख्य ब्रोंकस में मजबूती से फंस गई थी, जिससे बाएं फेफड़े तक जाने वाला वायु मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पल्मोनोलॉजी विभाग की टीम ने बिना देर किए जनरल एनेस्थीसिया के तहत इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी करने का निर्णय लिया। ब्रोंकोस्कोप की सहायता से डॉक्टरों ने बिना किसी प्रकार की क्षति पहुंचाए सावधानीपूर्वक गुठली को बाहर निकाला, जिससे फेफड़े में हवा का सामान्य प्रवाह फिर से शुरू हो गया। प्रक्रिया के तुरंत बाद मरीज की सांस लेने में राहत मिली। उपचार के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हुआ और स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बाल साहित्य और नई शिक्षा नीति को मिलेगा नया आयाम : केदार कश्यप

- मोर अंगना के शोर साझा बाल काव्य संग्रह का भव्य विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। वनमंत्री केदार कश्यप राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित साहित्य समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर का विमोचन किया तथा पुस्तक से जुड़े रचनाकारों, शिक्षकों और साहित्यकारों का सम्मान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों की शिक्षा, संस्कार और रचनात्मक सोच पर आधारित होता है। बाल साहित्य बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है, जो उनमें संवेदनशीलता, कल्पनाशीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल का विकास करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी रचनात्मक पहलें नई पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और समाज से भी जोड़ने का कार्य करती हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मोर अंगना के शोर केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी शैक्षणिक प्रयास है। यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (स्वरूह) के उद्देश्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि विषय आधारित बाल कविताएं बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाने के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को भी विकसित करेंगी। पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता प्रत्येक कविता के साथ जोड़े गए क्यूआर कोड को बताते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह नवाचार शिक्षा को आधुनिक, सरल और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्यूआर कोड के माध्यम से बच्चे कविता को पढ़ने के साथ-साथ सुन भी सकेंगे, जिससे सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक और सहज बनेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और समावेशी शिक्षा को नई दिशा देगी।

विकसित भारत' के संकल्प के साथ स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है भारत: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और संसद की रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थायी समिति के सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज नई दिल्ली में आयोजित समिति की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। बैठक में चिकित्सा उपकरण (Medical Devices) उद्योग को सशक्त बनाने, उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को गति देने और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (API) के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और अधिक सुदृढ़ करने जैसे जन-कल्याणकारी विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल बेहतर उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए अनुसंधान (R&D), नवाचार, आधुनिक विनिर्माण क्षमता और एक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की सुलभता के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। राज्य में फार्मा हब की संभावनाओं को तलाशने और स्थानीय स्तर पर सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों को चिकित्सा उपकरण विनिर्माण से जोड़ने पर उन्होंने समिति के समक्ष अपने सुझाव रखे। श्री अग्रवाल ने आगे कहा, "API (एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स) के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता देश की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल दवाइयों की कीमतों में कमी आएगी, बल्कि हम अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी सुरक्षित रहेंगे।

आज की बैठक में हमने इसी दिशा में ठोस नीतिगत बदलावों और नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है। हमारा स्पष्ट संकल्प है कि भारत न केवल अपनी स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बने, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए एक विश्वसनीय स्वास्थ्य समाधान प्रदाता (Pharmacy of the World) के रूप में उभरे। सांसद ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति की ये अनुशंसाएं आगामी समय में देश के चिकित्सा और फार्मा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी, जिसका सीधा लाभ छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के नागरिकों को मिलेगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354